MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-04 ❖ अंक-16 ❖ मुंबई ❖ रविवार 09 से 15 अप्रैल 2023 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2021-2023

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

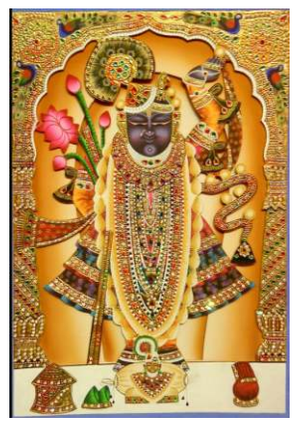

पेज 3

संजय राउत का दावा राज्य को अंडरवर्ल्ड की तरह चलाया जा रहा, शिंदे-फडणवीस गिरोह का कर रहे नेतृत्व

पेज 5

गायक अरमान मलिक ने 'पहला प्यार' के 100 मिलियन स्ट्रीम पार करने पर आभार व्यक्त किया !

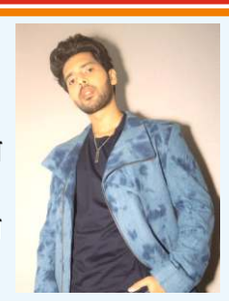

पेज 7

प्रियंका चोपड़ा

अब जॉन सीना संग करेंगी एक्शन

पेज 8

डब्ल्यूएचओ ने कोरोना पर दिया सतर्क रहने की चेतावनी

एक नजर

अडाणी पर एनसीपी के अपने विचार हो सकते हैं : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अडाणी मामले पर जेपीसी जांच से एनसीपी के पल्ला झाड़ने पर कहा है कि एनसीपी के अपने विचार हो सकते हैं लेकिन 19 समान विचारधारा वाले दल इस बात को मानते हैं कि प्रधानमंत्री से जुड़ा अडाणी समूह का मुद्दा वास्तविक और बहुत गंभीर है। यह बयान कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने अडाणी मामले पर एनसीपी नेता शरद पवार के इंटरव्यू पर दिया है। उन्होंने कहा है कि एनसीपी समेत समान विचारधारा वाले सभी 20 दल एकजुट हैं और संविधान एवं हमारे लोकतंत्र को भाजपा के हमलों से बचाने के लिए संगठित हैं।

कर्नाटक के लिए पहली सूची 9 को जारी करेगी भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा की संसदीय बोर्ड की बैठक नौ अप्रैल को बुलायी गयी है। इस बैठक में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए पहली सूची जारी की जाएगी। कांग्रेस अपने प्रत्याशियों की दो सूचियां जारी कर चुकी है। भाजपा में बीएस येदियुरप्पा के बारे में मंथन चल रहा है। वयोवृद्ध नेता येदियुरप्पा पर भाजपा की नजरें टिकी है। उनके पुत्र को उनकी जगह शिकारीपुरा से चुनाव लड़ाया जा रहा है। वैसे तो पार्टी ने चुनाव प्रबंधन समिति का अध्यक्ष मुख्यमंत्री बासवराज वोम्मई को बनाया है।

गायत्री प्रसाद प्रजापति आचार संहिता उल्लंघन के मामले में दोषमुक्त

सुलतानपुर। सुलतानपुर की एक अदालत ने आचार संहिता उल्लंघन के मामले में साक्ष्यों के अभाव में उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति को शुक्रवार को दोषमुक्त करार दिया। प्रजापति के वकील संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि सुलतानपुर की सांसद-विधायक अदालत के विशेष न्यायाधीश योगेश यादव ने साक्ष्यों के अभाव में आचार संहिता उल्लंघन के मामले में पूर्व मंत्री को बरी कर दिया है। एक अन्य आपराधिक मामले में लखनऊ जेल में बंद प्रजापति को कड़ी सुरक्षा के बीच शुक्रवार को सुल्तानपुर स्थित अदालत में पेश किया गया।

कथावाचक को धमकी, एक करोड़ की मांगी रंगदारी

मथुरा। मथुरा जिले की वृंदावन पुलिस ने भागवत कथावाचक अनिरुद्धाचार्य से एक करोड़ रुपये रंगदारी मांगे जाने का मामला सामने आने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) मार्तंड प्रकाश ने बताया कि वृन्दावन निवासी भागवत कथावाचक से अज्ञात व्यक्ति ने एक करोड़ रुपये की वसूली की मांग की और ऐसा न करने पर परिवार सहित बम से उड़ा देने की धमकी दी।

ठाणे में मंदिर की जमीन को लेकर बवाल, पुलिस ने 30 पर मामला दर्ज किया

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में स्थित एक मंदिर के पास गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने और हंगामा करने के आरोप में 30 के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

गुरुवार की घटना बता दें, गुरुवार को हनुमान जयंती के अवसर पर यह घटना हुई थी।

असल में, बड़ी संख्या में लोग हनुमान मंदिर के पास जा पहुंचे और हंगामा करना शुरू कर दिया। मंदिर में मौजूद लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि जिस जमीन पर हनुमान मंदिर बनाया गया, उसे लेकर विवाद था। मंदिर वाली जमीन को शिकायतकर्ता और उसके परिवार ने खरीदकर वहां चॉल बना दी थी। इसी चॉल में रहने वाले लोग और शिकायकर्ता के कुछ रिश्तेदारों ने जमीन को लेकर हंगामा कर दिया। इनका कहना था कि यह जमीन सार्वजनिक है और यहां एक और मंदिर बनाया जाना चाहिए।

इसी को लेकर दोनों पक्षों में बहस हो गई। कई लोगों पर केस पुलिस ने आरोपियों पर धारा 143 (गैरकानूनी विधानसभा), 447 (आपराधिक अतिचार), 506 (आपराधिक धमकी) और भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज किया है।

महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक बिल्डर और जमीन के मालिक के खिलाफ रिकॉर्ड और परमिट में कथित तौर पर हेरफेर करने व इमारत बनाने का मामला दर्ज किया गया है।

जेपीसी पर एकनाथ शिंदे का उद्धव और कांग्रेस पर निशाना !

कहा - अडानी के मुद्दे पर विपक्ष को शरद पवार की बात सुननी चाहिए

ठाणे: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अडानी मुद्दे पर एनसीपी प्रमुख शरद पवार की बातों पर ध्यान देने का आह्वान कर कांग्रेस और शिवसेना पर निशाना साधा। दरअसल अमेरिका स्थित हिंडनबर्ग रिसर्च ने अरबपति गौतम अडानी के कारोबारी समूह के शेयर और लेखांकन में बड़े पैमाने पर हेराफेरी का आरोप लगाया था। जिसके बाद कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। अडानी समूह ने इन आरोपों का खंडन किया है। एक निजी चैनल के साथ इंटरव्यू में पवार ने अडानी समूह का बचाव किया था और उसके संबंध में हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के आधार पर गढ़े जा रहे विमर्श की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था, 'पहले भी कुछ अन्य लोगों द्वारा ऐसे बयान दिए गए थे और इनके कारण कुछ दिनों तक संसद में व्यवधान हुआ था, लेकिन इस बार

इस मुद्दे को बहुत ज्यादा ही तूल दिया जा रहा है।' पवार ने कहा था, 'जो मुद्दे सामने रखे गए, उन्हें किसने रखा, हमने कभी इन लोगों के बारे में नहीं सुना, जिन्होंने बयान दिया, (उनकी) पृष्ठभूमि क्या है? जब वे ऐसे मुद्दे उठाते हैं, जिससे देश में बवाल मचता है, तो उसकी कीमत देश की अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ती है। हम इन बातों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। यह मालूम पड़ता है कि ऐसा लक्षित करके किया जाता है।' शरद पवार ने सोच समझकर कहा होगा शुक्रवार रात को कल्याण में एक कार्यक्रम के बाद शिंदे ने कहा, 'कांग्रेस ने अडाणी समूह में 20,000 करोड़ रुपये को लेकर स्पष्टीकरण की मांग करते हुए आंदोलन शुरू किया है। यहां तक उद्धव ठाकरे ने भी लगातार इस मुद्दे पर बयान दिया है। अब पवार ने टिप्पणी की है, ऐसे में जो लोग प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें उनकी टिप्पणी पर ध्यान देना चाहिए।' मुख्यमंत्री ने कहा कि पवार बहुत वरिष्ठ नेता हैं और काफी अध्ययन के बाद ही उन्होंने कुछ बोला होगा, इसलिए जो लोग प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें अपना रूख स्पष्ट करना चाहिए। शिंदे कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पर निशाना साध रहे थे। जो महाविकास अघाड़ी (एमवीए) में एनसीपी के साथ घटक दल हैं।

मुंबई में घुसे तीन आतंकी?, फोन कॉल से हड़कंप, अलर्ट मोड पर पुलिस

मुंबई: मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कॉल के जरिए सूचना दी गई है कि तीन आतंकी दुबई से मुंबई आए हैं। इससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। दरअसल पुलिस कंट्रोल रूम में किसी ने फोन करके कहा कि मुंबई में 3 आतंकी आ गए हैं। तीनों आतंकियों के दुबई से मुंबई आने की सूचना इस फोन कॉल से दी गई है और इससे सनसनी फैल गई है। फोन करने वाले ने दावा किया है कि तीन आतंकवादी शुक्रवार (7 अप्रैल) सुबह दुबई से मुंबई में दाखिल हुए और उनका पाकिस्तान से संबंध है। इसको लेकर मुंबई पुलिस फोर्स को अलर्ट कर दिया गया है। मुंबई पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अज्ञात लोगों ने मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर सूचना दी है कि तीन आतंकवादी मुंबई में आ गए हैं। फोन करने वाले ने दावा किया कि तीन आतंकवादी शुक्रवार सुबह तड़के दुबई से आए थे और उनका संबंध पाकिस्तान से है। फोन करने वाले ने एक आतंकी का नाम भी बताया है। एक आतंकी का नाम मुजीब सैयद है और फोन करने वाले ने पुलिस को अपना मोबाइल नंबर और कार का नंबर भी दिया है। मामले की जांच कर रही पुलिस मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस कंट्रोल रूम में फोन करने वाले ने बताया कि आतंकी नंबर दो के धंधे में काम कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि राजा थोंगे नाम के शख्स ने मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को फोन किया था। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

संजय राउत ने जेपीसी मामले में एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार का बचाव किया

मुंबई: महाराष्ट्र में फ़िलहाल अडानी मामले में जेपीसी की मांग को लेकर घमासान मचा हुआ है। इस मुद्दे पर पहले ही शरद पवार कह चुके हैं कि जेपीसी की जांच से कुछ भी फायदा नहीं होने वाला है। अब इस मुद्दे पर उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने भी शरद पवार के बयान पर अपनी राय रखी है। संजय राउत ने कहा कि शरद पवार ने विपक्ष द्वारा की गई जेपीसी जांच की मांग का विरोध नहीं किया है। बल्कि उन्होंने तो विपक्ष को एक विकल्प दिया है। शरद के मुताबिक जेपीसी जांच से कोई भी हल नहीं निकलेगा। इसकी अपनी वजह है, क्योंकि जेपीसी का अध्यक्ष बीजेपी का होगा, उसमें शामिल बीजेपी सदस्यों की संख्या भी ज्यादा ही होगी। ऐसे में वहां पूरी सच्चाई सामने आने की संभावना कम नजर आती है।

महाराष्ट्र में अनाथों को शिक्षण संस्थानों और सरकारी नौकरी में 1% कोटा

मुंबई: महाराष्ट्र सरकार ने अनाथ बच्चों को शिक्षा और सरकारी नौकरियों में एक फीसदी आरक्षण देने का आदेश जारी किया है। 18 वर्ष की आयु से पहले माता-पिता दोनों को खो चुके बच्चे नौकरी के पात्र होंगे। सरकार के जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि नौकरियों में कुल रिक्तियों की संख्या और प्रवेश के लिए खुली सीटों की संख्या के आधार पर अनाथों के लिए 1% आरक्षण प्रदान किया जाएगा। अनाथों को उन लोगों के लिए दो समान भागों में विभाजित किया जाएगा जो निजी अनाथालयों या सरकार के संचालित संस्थानों में रह रहे हैं या बाहर लाए जा चुके हैं। जो अनाथ बच्चे अनाथालयों से अगर किसी रिश्तेदार के घर भेजे गए हैं और वे उनके साथ रह रहे हैं, वे भी सरकार की इस योजना का लाभ ले सकेंगे।

सरकारी अनुमानों के अनुसार, राज्य में लगभग 800 बच्चों ने माता-पिता दोनों को कोविड के कारण खो दिया है। संस्थानों में 4000 से ज्यादा अनाथ 2021 में महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने कोटा को मंजूरी दी थी। राज्य में अकेले अनाथालयों में 4,000 से अधिक अनाथ हैं। माता-पिता, भाई-बहन, निकट सम्बन्धियों, गांव, तालुका की जानकारी के बिना अनाथालय में रहने वाले बच्चों को 'क' श्रेणी में रखा गया है। एक बच्चा जिसने माता-पिता दोनों को खो दिया है, जिसके पास कोई जाति प्रमाण पत्र नहीं है और एक अनाथालय में रह रहा है, वह 'बी' होगा, और जिन बच्चों ने 18 साल की उम्र से पहले माता-पिता दोनों को खो दिया था, लेकिन रिश्तेदारों, विशेष रूप से उनके दादा-दादी या उनके नाना-नानी ने पाला है तो ऐसे बच्चे 'सी' श्रेणी में आएंगे।

'दिल्ली से हरिद्वार 90 मिनट में' : केंद्रीय मंत्री गडकरी का दावा- दिसंबर से शुरू होगा नया एक्सप्रेसवे

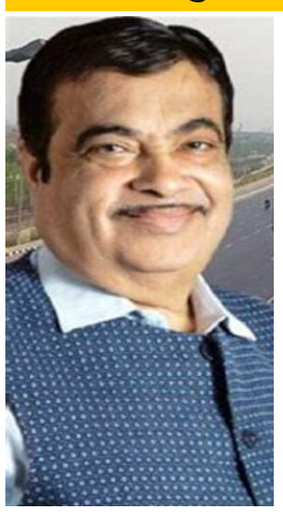

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली देहरादून के बीच बन रहा नया एक्सप्रेसवे इस साल दिसंबर तक शुरू हो जाएगा। जिसके बाद दिल्ली से देहरादून की दूरी दो घंटे में तय हो जाएगी। बता दें कि दिल्ली से देहरादून के बीच बनाए जा रहे इस 212 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे की लागत करीब 12 हजार करोड़ रुपए है। 'दिल्ली से हरिद्वार 90 मिनट में पहुंचेंगे' केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पांचवें अयोध्या पर्व को संबोधित करते हुए बताया कि 'लोग दिल्ली से देहरादून अब सिर्फ दो घंटे में पहुंच सकेंगे। वहीं दिल्ली से हरिद्वार की दूरी भी 90 मिनट में पूरी हो जाएगी। दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे का निर्माण दिसंबर तक पूरा हो जाएगा।' केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस एक्सप्रेसवे का 60-70 फीसदी निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। केंद्रीय मंत्री ने शुक्रवार को इस छह लेन के ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का हवाई सर्वेक्षण किया। दिल्ली में अक्षरधाम से होगा शुरू बता दें कि दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे चार सेक्शन में बंटा हुआ है। यह दिल्ली में अक्षरधाम मंदिर से शुरू होगा और दिल्ली के शास्त्री पार्क, खजूरी खास, मंडोला के खेकड़ा में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, बागपत, शामली, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश से होते हुए देहरादून तक जाएगा। गणेशपुर से देहरादून के बीच के सेक्शन में जंगली जीवों को सुरक्षित रखने के लिए 12 किलोमीटर लंबा फ्लाइओवर बनाया जा रहा है। हाइवे में छह अंडरपास बनाए गए हैं। हाथियों के विशेष कॉरिडोर और दो बड़े पुल और 13 छोटे पुल भी बनाए गए हैं।

जो चुनाव हारते हैं, EVM पर आरोप लगाते हैं : अजित पवार

मुंबई: अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी एकता में एक बार फिर बिखराव देखने को मिल रहा है। एक दिन पहले एनसीपी चीफ शरद पवार ने अडानी का समर्थन करके कांग्रेस को झटका दिया और अब उनके भतीजे व महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजित पवार ने ईवीएम मुद्दे पर अपनी राय देकर टेंशन बढ़ा दी है। अजित पवार ने कहा कि उन्हें ईवीएम पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि अगर ईवीएम में गड़बड़ी होती तो छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, पंजाब, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में में विपक्षी दलों की सरकार न होती। महाराष्ट्र विधानसभा में नेता विपक्ष अजित पवार ने कहा, 'मुझे व्यक्तिगत रूप से ईवीएम पर पूरा भरोसा है। अगर ईवीएम खराब होती तो छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, पंजाब, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें नहीं होतीं।'

अजित ने आगे कहा, 'हमारे देश में ईवीएम से छेड़छाड़ संभव नहीं है। यह पूरी तरह से एक बड़ी प्रणाली है, इसमें बहुत सारे चेक और बैलेंस शामिल हैं।' उन्होंने कहा, 'अगर किसी तरह यह साबित हो जाता है कि ईवीएम से छेड़छाड़ की गई तो देश में बड़ा बवाल खड़ा हो जाएगा।' एनसीपी नेता ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि कोई भी ऐसा करने की हिम्मत करेगा। कई बार कुछ लोग चुनाव हार जाते हैं लेकिन उन्हें लगता है कि हम हार नहीं सकते, फिर वे ईवीएम को लेकर आरोप लगाने लगते हैं लेकिन वास्तव में यह जनता का वास्तविक जनादेश है। यह पहली बार नहीं है जब अजित पवार ईवीएम के समर्थन में उतरे हों। इससे पहले भी वह समय-समय पर ईवीएम को लेकर अपने सहयोगियों को आईना दिखाते रहे हैं। साल 2021 में अजित पवार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मजाकिया लहजे में कहा था कि ईवीएम पराजित उम्मीदवारों को हार का ठीकरा मशीन पर डालने का अवसर प्रदान करता है।

अजित पवार ने कहा था कि 'मैंने छह से सात चुनाव ऐसे लड़े हैं, जिनमें ईवीएम का इस्तेमाल हुआ है। यह मशीन उचित मतदान को सुनिश्चित करती है और सही संख्या दर्शाती है।'

कोरोना ने फिर बदला स्वरूप बच्चों में भी मिला संक्रमण

भारत में कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों के बीच इसका एक और स्वरूप एक्सबीबी.1.16.1 सामने आया है। देश के नौ राज्यों में इसके 116 मामले सामने आए हैं। गौर करने वाली बात है कि यह संक्रमण बच्चों में भी मिल रहा है। इसका एक नया लक्षण आंखों में लालपन के रूप में सामने आया है। वायरस के स्वरूप में इस बदलाव का जिक्र शुक्रवार को अधिकारियों ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित इस बैठक में बताया गया कि ओमिक्रॉन के स्वरूप बदलने के बाद एक्सबीबी उप स्वरूप सामने आया था। एक्सबीबी ने स्वरूप बदला तो एक्सबीबी.1.16 सामने आया। भारत में वर्तमान में कोरोना के बढ़ते मामलों के लिए यही स्वरूप जिम्मेदार है। दिल्ली में भी इससे जुड़े केस गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु, दिल्ली, हरियाणा, केरल और पुडुचेरी में इससे जुड़े मामलों की पुष्टि हुई है। डॉ. स्कारिया ने बताया कि भारत के अलावा अब तक 13 देशों में 80 से ज्यादा सीक्वेंस एक्सबीबी.1.16.1 उप वेरिएंट अपलोड हुए हैं। इससे पता चलता है कि अन्य देशों में भी वायरस अपना स्वरूप बदल रहा है।

लापरवाही न बरतें

देशभर में कोविज-19 के मामलों में तेजी से उछाल देखा जा रहा है। शुक्रवार को देश में कोरोना के 6 हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए। कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक की है। देश में कोरोना वायरस का प्रभाव कम जरूर हो गया है, अपना जैसा व्यापक और खतरनाक रूप यह दिखा चुका है उस मुकाबले अभी स्थिति बहुत बेहतर है। यह बात भी सही है कि फिलहाल इसके उस रूप में वापसी के कोई आसार नहीं लगते। बावजूद इसके यह मानना सही नहीं है कि कोरोना समाप्त हो गया है या इसका खतरा पूरी तरह टल चुका है। सचाई यह है कि छोटे स्तर पर ही सही, मगर इस वायरस का खेल अभी भी चल ही रहा है। इसका नया वेरिएंट एक्सबीबी.1.16 है जिसने दूसरे वेरिएंट्स की जगह ले ली है और तेजी से फैल रहा है। हाल के दिनों में इसके प्रसार में आई तेजी के पीछे यही नया वेरिएंट है। गुरुवार को देश भर में 24 घंटे के अंदर 5,335 नए मामले दर्ज हुए, जो पिछले 195 दिनों में 24 घंटे की अवधि में दर्ज हुई सबसे ज्यादा संख्या है। इसके अगले दिन शुक्रवार को यह संख्या बढ़कर 6050 हो गई। जाहिर है, वायरस के प्रसार में आई इस तेजी की अनदेखी नहीं की जा सकती। हालांकि यह संख्या भी खतरनाक नहीं कही जा सकती। यह बात भी सही है कि वायरस का नया वेरिएंट वैसा मारक नहीं है। इससे संक्रमित होने के बाद सामान्य मरीज को बुखार होता है, जो धीरे-धीरे चढ़ता है, सिरदर्द, बेचैनी और गले में तकलीफ भी होती है, लेकिन एक-दो दिनों में ही यह ठीक भी हो जाता है। इससे मौत का अनुपात काफी कम है। लेकिन यह फैलता काफी तेजी से है। WHO ने भी इस पर नजर रखने की सलाह दी है। अब तक का अनुभव बताता है कि कोरोना वायरस न केवल रूप बदलता है बल्कि अपनी क्षमता में भी इजाफा कर सकता है। ऐसे में नहीं कहा जा सकता कि इसका जो रूप कम खतरनाक नजर आ रहा है, वही फैल जाने के बाद नए रूप में ज्यादा खतरनाक नहीं हो जाएगा। स्वाभाविक ही, केंद्र सरकार ने इस पर कड़ी नजर बनाए रखी है। शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक में ताजा हालात के साथ संभावित चुनौतियों से निपटने की तैयारियों की भी समीक्षा की। कई राज्य सरकारों ने सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनने को लेकर नए निर्देश भी जारी किए हैं। जहां तक आम लोगों की बात है तो फिलहाल किसी तरह की घबराहट की कोई बात नहीं है। लेकिन बुजुर्गों और किसी तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए विशेष सावधानी जरूरी है। और हां, जिन लोगों ने वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज नहीं ली है, वे जितनी जल्दी ले लें उतना बेहतर। आखिर इस अनदेखे दुश्मन से निपटने का सबसे कारगर हथियार लोगों की सावधानी ही साबित हुआ है।

भारत-रूस की दोस्ती पर क्यों आ रही आंच

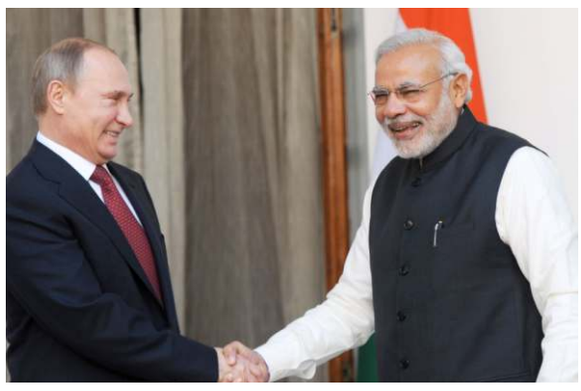

फिनलैंड का नैटो (नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन) में शामिल होना उभरते ग्लोबल ऑर्डर पर गहरी छाप डालने वाली घटना है। यूक्रेन पर रूसी हमले ने इस गठबंधन को नई सार्थकता दी है, जिसे शीतयुद्धोत्तर काल में अतीत का अवशेष माना जाने लगा था। फिनलैंड के राष्ट्रपति ने इस मौके पर कहा, 'हर राष्ट्र अपनी सुरक्षा पुख्ता करना चाहता है, फिनलैंड भी वही कर रहा है। नैटो मेंबरशिप ने हमारी अंतरराष्ट्रीय स्थिति मजबूत बनाई है।' इस घटना ने यह बात पूरी स्पष्टता से रेखांकित कर दी है कि हमारे इतिहास का सैन्य गुटनिरपेक्षता का दौर समाप्त हो गया है और एक नया दौर शुरू हो चुका है। नैटो की सीमा करीब 1300 किलोमीटर तो बढ़ ही चुकी है, स्वीडन भी इसमें शामिल होने का इंतजार कर रहा है।उलटा पड़ा दांवरूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन ने यूक्रेन पर हमले की जिम्मेदारी पश्चिमी देशों और नैटो का विस्तार करने की उनकी कोशिशों पर डाली थी। उनकी दलील थी कि यूक्रेन के खिलाफ बल प्रयोग के जरिए वह दूसरे देशों के लिए एक लकीर खींच रहे हैं ताकि वे नैटो से दूर रहें। यूरोप में इतना बड़ा युद्ध शुरू करने का प्रमुख कारण उन्होंने यही बताया था। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने तब कहा था कि वह यह कहने से खुद को नहीं रोक पा रहे हैं कि 'शायद इसी बात के लिए आगे चलकर हम पूतिन का शुक्रिया अदा करें क्योंकि उन्होंने वही स्थिति समय से पहले ला दी है, जिसे रोकने का दावा वह कर रहे हैं।'इस बात पर काफी चर्चा होती रही है कि पिछले साल फरवरी में यूक्रेन पर हमला करने के बाद से जंग के मैदान में रूसी फौज को किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिमी देशों के सहयोग की बदौलत यूक्रेन ने लगभग हर स्तर पर रूसियों के पसीने छुड़ा दिए हैं।लॉजिस्टिक्स से जुड़ी समस्याओं और कमांड व कंट्रोल से जुड़े मसलों ने भी रूसी फौज के प्रदर्शन को बुरी तरह प्रभावित किया है।अपनी मातृभूमि की रक्षा के संकल्प के साथ यूक्रेनी नागरिक हर कदम पर जान की बाजी लगाते हुए रूसियों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। उन्होंने जंग के मैदान में तो बढ़िया प्रदर्शन किया ही है, दुनिया में कई देशों का रुख अपनी ओर करने में भी काफी हद तक सफल रहे हैं।दूसरी ओर रूस मान कर चल रहा था कि कुछ दिनों नहीं तो हफ्तों के अंदर तो यूक्रेन को ध्वस्त कर देगा, वह बुरी तरह मात खाया दिख रहा है। इसीलिए रूस को परमाणु हथियारों की धमकी का सहारा लेना पड़ा।एकजुट हुआ यूरोपरूस के लिए असली चुनौती सामरिक स्तर पर है। रूसी हमले ने एक झटके में न केवल पश्चिम को एकजुट कर दिया बल्कि उसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद की अपनी सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से विचार करने को भी मजबूर किया। जर्मनी जैसे देश के लिए भी यह घटना सामरिक नजरिए से महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। नैटो एक तरह से जैसे पुनर्जीवित हो गया और फिनलैंड, स्वीडन जैसे पारंपरिक तौर पर गुटनिरपेक्ष देश भी अपने लंबे समय से चले आ रहे रुख पर पुनर्विचार करने को मजबूर हुए। फिनलैंड में नैटो में शामिल होने के सवाल पर लोगों का समर्थन 80 फीसदी तक पहुंच गया, जिससे स्वाभाविक ही नीति निर्माताओं के लिए फैसला करना आसान हो गया।रूस के लिए इसका मतलब होगा चीन से और ज्यादा करीबी, लेकिन उसके जूनियर पार्टनर के रूप में। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के सामने पूतिन की जूनियर पार्टनर की हैसियत तभी स्पष्ट हो गई थी, जब चिनफिंग हाल में रूस के दौरे पर आए थे।दोनों देशों ने 'प्रायॉरिटी पार्टनर्स' के तौर पर संयुक्त वक्तव्य में संकल्प लिया कि क्षेत्रीय अखंडता के सवाल पर एक-दूसरे का समर्थन करेंगे।क्वॉड जैसे उभरते गठबंधनों के मद्देनजर दोनों ने एशिया-पैसिफिक में अपना-अपना ब्लॉक बनाने की मानसिकता का विरोध किया और इसकी जगह पर ऐसा सिक्यॉरिटी सिस्टम बनाने का संकल्प लिया, जो समान और सबके लिए खुला होगा। 'बराबरी वाली पार्टनरशिप' जैसे जुमलों के पीछे की हकीकत यह देखने पर साफ हो जाती है कि इस वक्त किसे किसकी जरूरत है।हाल ही में जारी विदेश नीति की रणनीति में रूस ने चीन और भारत को मित्र राष्ट्र के रूप में रेखांकित किया है। आज जब वह पश्चिमी देशों से घिरा हुआ है, तब वह भारत से सहयोग बढ़ाना चाहता है। लेकिन रूस जो भी चाहे, सचाई यह है कि दोनों देशों के रिश्तों में कई स्तरों पर चुनौतियां बढ़ रही हैं।अव्वल तो रूस और चीन के बीच समझौते से भारत में आशंका पैदा हुई है।भारत और रूस के बीच के रक्षा संबंधों में आ रही मुश्किलों का अंदाजा इस बात से भी होता है कि भारतीय वायुसेना ने सार्वजनिक तौर पर कह दिया कि यूक्रेन युद्ध की वजह से मॉस्को भारत को जरूरी रक्षा सप्लाई मुहैया कराने का वादा पूरा करने की स्थिति में नहीं है। जाहिर है, सीमा पर चीन के साथ तनाव को देखते हुए भारत इस स्थिति को ज्यादा समय तक स्वीकार नहीं कर सकता।वैसे सच यह भी है कि भारत, रूस से अपने रिश्तों को प्रभावित नहीं होने देना चाहेगा। लेकिन हालात तेजी से बदलते जा रहे हैं और भारत को हथियारों के लिए कोई वैकल्पिक ठिकाना तलाशना होगा।बुनियादी संरचना में बदलावसाफ है कि यूरोप की सुरक्षा संरचना को आकार देने वाले बुनियादी कारकों में बदलाव आ रहा है और उनका प्रभाव भारत की विदेश नीति पर भी पड़ रहा है। रूस के साथ भारत के रिश्ते भी इससे अप्रभावित नहीं रह सकते।

पराग जोबनपुत्रा

क्या चार्जशीट से बढ़ेगी ट्रंप की ताकत

डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी इतिहास में पहले ऐसे पूर्व राष्ट्रपति हैं, जिनके खिलाफ कोर्ट ने आपराधिक मामले में अभियोग तय किया है। हालांकि, ट्रंप के लिए कोर्ट-कचहरी और कानूनी विवाद नए नहीं हैं, लेकिन यह मामला ऐसे समय में आया है, जब वह 2024 में होने जा रहे राष्ट्रपति चुनावों के लिए अपनी उम्मीदवारी का एलान और चुनाव प्रचार शुरू कर चुके हैं।क्या हैं आरोपऐसे में, पूरे अमेरिका की निगाहें आज न्यू यॉर्क के मैनहटन कोर्ट और उससे बाहर राजनीतिक मैदान में होने वाले ड्रामे की ओर होंगी, जहां ट्रंप एक अभियुक्त की तरह पेश होंगे। उनका फिंगरप्रिंट और किसी सामान्य अभियुक्त की तरह मग-शॉट तस्वीर ली जाएगी और कोर्ट में अभियोग पेश किया जाएगा। इसके बाद ही ठीक-ठीक पता चलेगा कि ट्रंप के खिलाफ किन आधारों पर आपराधिक मुकदमा चलेगा।डॉनल्ड ट्रंपमैनहटन कोर्ट की ग्रैंड जूरी ने उनके खिलाफ उस मामले में अभियोग तय करने का फैसला किया है, जिसमें उन पर 2016 के राष्ट्रपति चुनावों से ठीक पहले पॉर्न फिल्म स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को अपने वकील माइकल कोहेन के जरिए 1.3 लाख डॉलर देने का आरोप है ताकि वह ट्रंप के साथ अपने गैर-वैवाहिक सेक्स संबंधों के बारे में मुंह बंद रखें।इस मामले में ट्रंप के पूर्व वकील कोहेन यह कहते हुए आरोप स्वीकार कर चुके हैं कि उन्होंने स्टॉर्मी डेनियल्स को ट्रंप के कहने पर पैसा दिया था।क्या होगा असरकहने की जरूरत नहीं कि किसी और नेता के लिए ये आरोप बड़ी शर्मिंदगी की वजह होते और उसका राजनीतिक करियर भी खतरे में पड़ जाता, लेकिन ट्रंप का कारोबारी और अब राजनीतिक जीवन ऐसे आरोपों और विवादों के बीच ही फलता-फूलता और परवान चढ़ता रहा है।आमतौर पर राष्ट्रपति चुनाव में हारने या गंभीर आपराधिक आरोपों में फंसने के बाद ज्यादातर नेता राजनीतिक बियाबान में चले जाते हैं, लेकिन ट्रंप पर इसका कोई खास असर नहीं पड़ा है।यह और बात है कि ट्रंप अक्सर गलत कारणों, खासकर उलटे-सीधे बयानों, आपराधिक आरोपों और व्यक्तिगत विवादों की वजह से सुर्खियों में रहते हैं, लेकिन यह उनकी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है।असल में, ट्रंप अपने धुर दक्षिणपंथी-अनुदार श्वेत पुरुष समर्थकों के बीच खुद को एक ऐसे दबंग, लेकिन 'भ्रष्ट, षड्यंत्रकारी और श्वेत विरोधी' उदारवादी सत्ता प्रतिष्ठान के 'सताए हुए' नेता की तरह पेश करते हैं, जिसके लिए वह बाहरी हैं और जो उन्हें काम नहीं करने देना चाहता है।ट्रंप का आरोप रहा है कि यह उदारवादी और डेमोक्रेटिक पार्टी समर्थक सत्ता प्रतिष्ठान उन्हें 'राजनीतिक प्रतिशोध के कारण झूठे मामलों में फंसाने' की कोशिश करता रहता है क्योंकि वह इसकी इच्छा के खिलाफ 'अमेरिका को फिर से महान बनाने' के अभियान में जी-जान से जुटे हुए हैं।एक चालाक और सफल सेल्समैन की तरह ट्रंप इस 'नैरेटिव' को उस अमेरिकी बहुसंख्यक श्वेत आबादी के बड़े हिस्से को बेचने में क़ामयाब हुए हैं, जो पिछले कई सालों से आधे सच्चे-आधे झूठे कारणों से खुद को इस सत्ता प्रतिष्ठान से पीड़ित और छला हुआ महसूस कर रही है।इस बहुसंख्यक श्वेत आबादी का एक बड़ा हिस्सा वह कम पढ़ा-लिखा वर्किंग क्लास है, जिसे सस्ते श्रम की तलाश में उद्योगों खासकर मैन्युफैक्चरिंग के चीन और दूसरे देशों में चले जाने के कारण नौकरियां गंवानी पड़ीं। दूसरी ओर, उच्च तकनीक से जुड़े उद्योगों और सेवा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रवासी पेशेवरों के आने से इस वर्किंग क्लास को लगता है कि उसे अपने ही देश में किनारे किया जा रहा है।इसके साथ, ट्रंप उन सच्ची-झूठी और मिथकीय लेकिन खतरनाक 'कॉन्स्पिरेसी थियरी' को हवा देते रहते हैं, जो इस नैरेटिव को आगे बढ़ाती है कि कथित उदारवादी सत्ता प्रतिष्ठान बड़ी अमेरिकी आबादी खासकर श्वेतों की कीमत पर जॉर्ज सोरोस जैसे मुट्ठी भर सुपर अमीरों और ग्लोबल इलीट के हितों के लिए काम करता है।दो ध्रुवों में बंटा समाजइस जहरीले प्रचार अभियान का नतीजा यह हुआ है कि आज अमेरिकी समाज न सिर्फ आधे-आधे में बंट गया है बल्कि जबरदस्त रूप से ध्रुवीकृत है। उसमें नस्लीय और सांस्कृतिक विभेद लगातार गहरे हुए हैं। आपसी अविश्वास और डर बढ़ा है। धुर दक्षिणपंथी श्वेत श्रेष्ठतावादी समूहों की उग्रता बढ़ी है। सैन्य मिलिशिया से लेकर क्यू अनॉन जैसे कॉन्स्पिरेसी थियरी के प्रचारकों ने राजनीतिक विमर्श को जहरीला बना दिया है। इनकी एक थियरी है 'ग्रेट रिप्लेसमेंट थियरी' यानी अमेरिकी आबादी में श्वेतों की जनसंख्या घटती हुई जल्दी ही अल्पसंख्यक हो जाएगी। जाहिर है, इस माहौल में उलटे-सीधे, भड़काऊ और जहरीले आरोप-प्रत्यारोपों के आगे तथ्य, तर्क और विवेक के लिए बहुत कम जगह रह गई है।ट्रंप को इस विभाजन और राजनीतिक ध्रुवीकरण का फायदा मिल रहा है। वह अपने धुर दक्षिणपंथी श्वेत समर्थकों को यह समझाने में कामयाब हैं कि सत्ता प्रतिष्ठान उन्हें राजनीतिक प्रतिशोध के तहत फर्जी मामलों में फंसा रहा है। उन्होंने यह नैरेटिव पिछले राष्ट्रपति चुनावों में हार के बाद से बना रखा है। इसमें कोई शक नहीं कि वह न्यू यॉर्क की मैनहटन कोर्ट में पेशी और अभियोग लगाए जाने को भी डेमोक्रेट्स और 'भ्रष्ट' सत्ता प्रतिष्ठान के 'षडयंत्र' के रूप में पेश करके राजनीतिक सहानुभूति बटोरने, अपने कट्टर समर्थकों को सक्रिय करने और इस तरह रिपब्लिकन पार्टी में अपने विरोधियों को मात देने की कोशिश करेंगे।लोकप्रियता बढ़ीताजा ओपिनियन पोल्स के रुझानों मुताबिक, ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी में अपने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों से काफी आगे हो गए हैं। ट्रंप समर्थकों के मुताबिक, मैनहटन कोर्ट की ग्रैंड जूरी के फैसले के बाद 6 गवर्नर, 26 सीनेटर, 63 कांग्रेस सदस्य और स्पीकर केविन मैकार्थी ट्रंप के साथ खड़े हैं। दूसरी ओर, ट्रंप के चुनाव फंड में 24 घंटों से भी कम समय में 40 लाख डॉलर से ज्यादा का डोनेशन आ चुका है। साफ है कि ट्रंप कानूनी दावपेंच के खतरों को जानते हुए भी इसे अपनी राजनीतिक वापसी के एक मौके की तरह देख रहे हैं।

भूपत सांवलिया

क्या इतना आसान है कर्नाटक को समझना, बीजेपी, कांग्रेस में आतंरिक कलह के बीच क्या करेगी जेडीएस

किरीट ए. चावड़ा

टीवी चैनलों के दौर इस में बौद्धिकों की नजर में हर विधानसभा चुनाव सेमीफाइनल बन गया है। विधानसभा चुनाव की तारीखें घोषित होते ही विशेषकर राजधानी केंद्रित बौद्धिक घोषित करने लगते हैं कि आने वाले चुनावों पर इस चुनाव विशेष के नतीजों का बड़ा असर होगा। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर भी ऐसी ही स्थापित धारणाएं लगातार प्रसारित हो रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी के उभार के बाद ऐसी धारणाएं कई बार ध्वस्त हुई हैं। फिर भी इन्हीं धारणाओं के इर्द-गिर्द कर्नाटक के संभावित नतीजों का आकलन किया जा रहा है।अतीत के अनुभवकर्नाटक के अतीत के अनुभव भी इन स्थापित धारणाओं को खारिज करते रहे हैं।याद कीजिए 1999 के विधानसभा चुनाव को। तब जनता दल के जेएच पटेल मुख्यमंत्री थे। आम धारणा थी कि येदियुरप्पा की अगुआई में दक्षिण के इस राज्य में अपने दम पर कमल खिल जाएगा। लेकिन कमल खिलने के पहले ही मुरझा गया। वजह बनी बीजेपी की अगुआई वाली केंद्र सरकार की सेहत। तब 24 दलों के गठबंधन की सरकार चला रही बीजेपी के लिए जेएच पटेल मजबूरी बन गए। केंद्र में जॉर्ज फर्नांडिस की अगुआई वाले जनता दल के धड़ों का एकीकरण हुआ। जॉर्ज एनडीए के संयोजक थे, लिहाजा उनकी बात काटना बीजेपी के लिए संभव नहीं रहा। उसे जेएच पटेल के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ना पड़ा और कांग्रेस के भाग्य से छींका टूट गया।2018 के चुनावों में भी कुछ ऐसा ही हुआ। उत्साही टीवी चैनलों और चुनावी भविष्यवक्ताओं ने येदियुरप्पा की ताजपोशी करा दी। लेकिन 15 मई 2018 को घोषित नतीजों में किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। बीजेपी ने सरकार तो बनाई, लेकिन येदियुरप्पा को बहुमत साबित किए बिना ही हटना पड़ा। यह बात और है कि बाद में कांग्रेस और जेडीएस में सेंध के जरिए वह सत्ता की सीढ़ी चढ़ गए।पिछले विधानसभा चुनाव परिणामों में ही इस बार का भी नतीजा छुपा है। पिछली बार कांग्रेस को बीजेपी से छह लाख 38 हजार 621 वोट ज्यादा मिले थे। फिर भी उसकी सीटें घट गईं। कारण रहा कर्नाटक केंद्रित पार्टी जनता दल-एस का प्रदर्शन। वह कई सीटों पर त्रिकोणात्मक संघर्ष बनाने में सफल रही। वैसे तो कर्नाटक तक ही जनता दल सेक्युलर का वजूद सिमटा है। विशेषकर वोक्कालिगा समुदाय में इस पार्टी का असर है, जो मुख्यत: मैसूर और दक्षिणी कर्नाटक में है। फिर भी वह चाहेगी कि किसी भी दल को बहुमत ना हासिल हो ताकि वह मोलभाव की स्थिति में रहे।मुस्लिम फैक्टरकर्नाटक में यूं तो मुस्लिम जनसंख्या दस फीसदी से कुछ ही ज्यादा है। लेकिन हाल के दिनों में राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बने मुस्लिम नैरेटिव में कर्नाटक की भूमिका अहम रही। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित हिजाब प्रकरण कर्नाटक की ही जमीन पर उभरा। हैरत की बात है कि जो राज्य कंप्यूटर क्रांति की जमीन बन चुका है, वहां हिजाब को लेकर बवाल हुआ। चुनाव से ठीक पहले बीजेपी सरकार ने मुसलमानों को विशेष श्रेणी के तहत मिलने वाले 4 फीसदी का आरक्षण खत्म कर उसे वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों में बांटने की घोषणा कर दी। इन दोनों मसलों पर मुस्लिम समुदाय का संगठित होना स्वाभाविक है। ऐसे में कांग्रेस और जेडीएस का मुस्लिमों को लुभाना भी सहज है। दोनों चाहेंगे कि मुस्लिम समुदाय का एकमुश्त वोट उन्हें ही मिले।इसी बिंदु से बीजेपी की उम्मीद भी जुड़ी है। हाल के दिनों में देखा गया है कि अगर मुस्लिम संगठित होता है तो उसके बरक्स हिंदू समुदाय भी अपनी पारंपरिक बिखराववादी सोच को दरकिनार करने की कोशिश करता है। बीजेपी अपनी अंदरूनी नीति के चलते सत्ता से अलग किए जा चुके येदियुरप्पा की लिंगायत समुदाय में पकड़ को भुनाने में जुट गई है। वह मोदी की लोकप्रियता, संगठित मुस्लिम के बरक्स हिंदू समाज की गोलबंदी और येदियुरप्पा के निजी असर के सहारे मैदान मारने की तैयारी में है। यह भी सच है कि सत्ता का अंदरूनी संघर्ष उसे झेलना पड़ रहा है। कांग्रेस और जनता दल-एस से पाला बदलकर आए लोगों और पारंपरिक नेताओं की अंदरूनी खींचतान से वह जूझ रही है। हालांकि मोदी के नाम पर वह एकता और आगे बढ़ने का संदेश दे रही है।कांग्रेस का सूरत-ए-हाल : वहींचुनाव पूर्व की तैयारियों में कांग्रेस आगे नजर आ रही है। वैसे गुटबाजी कांग्रेस में भी कम नहीं है। डीके शिवकुमार और पूर्व में देवेगौड़ा के सहयोगी रहे सिद्धारमैया के गुटों के अलावा पी परमेश्वर का भी गुट है। लेकिन पार्टी इन सभी गुटों को समायोजित करते हुए इनके नेताओं की उम्मीदवारी पहले ही घोषित कर चुकी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कर्नाटक के ही हैं। उसे इन चुनावों में स बात का भी फायदा मिलने की उम्मीद है। दिलचस्प है कि इस बार कांग्रेस के रणनीतिकारों में दो ऐसे हैं, जो जनता दल के दिनों में पार्टी के युवा नेता के तौर पर प्रभावी रहे।कांग्रेस ने उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग के लिए जो कमिटी बनाई, उसके प्रमुख मोहन प्रकाश कांग्रेस में आने से पहले जनता दल में थे। जब वह युवा जनता दल के अध्यक्ष थे, तब सिद्धारमैया भी जनता दल का दक्षिण में युवा चेहरा थे। जाहिर है, इस बार दो पूर्व जनता दलियों पर कांग्रेस की नाव पार लगाने का दारोमदार है।खरगे की चुनौतीअखिल भारतीय पार्टी बनने और दक्षिण के राज्यों में अपनी ताकत जमाने के लिए बीजेपी को कर्नाटक पर कब्जा बनाए रखना होगा। इसलिए वह अपने सारे घोड़े खोल देगी। दूसरी ओर, खरगे को कांग्रेस पर भी अपना असर दिखाना है और गैरकांग्रेसी लोगों के बीच खुद को स्थापित करना है। इसलिए उनके सामने भी कर्नाटक पर कब्जा करने की चुनौती है। वैसे तो हर चुनाव आने वाले चुनावों पर असर डालते ही हैं।

आदित्य ठाकरे की ठाणे से चुनाव जीतने की चुनौती पर

सीएम एकनाथ शिंदे का पलटवार

शिवसेना (ठाकरे समूह) कांग्रेस, राष्ट्रवादी पार्टी (एनसीपी) ने बुधवार को ठाकरे समूह की पदाधिकारी रोशनी शिंदे की पिटाई के विरोध में पुलिस आयुक्त कार्यालय में 'जन प्रकाश मोर्चा' निकाला. इसके बाद हुई बैठक में विधायक आदित्य ठाकरे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को चुनौती दी. आदित्य ठाकरे ने कहा कि मौजूदा सरकार ढोंग है और ठाणे से चुनाव जीतेगी. एकनाथ शिंदे ने दी ये प्रतिक्रिया इस पर अब मुख्यमंत्री शिंदे ने जवाब दिया है. एकनाथ शिंदे ने कहा,

"लोकतंत्र में कहीं से भी चुनाव लड़ने का अधिकार है. अंततः जनता तय करती है कि किसे चुनना है और किसे हटाना है. वक्ताओं का जन्म भी नहीं हुआ था, तब से वे बालासाहेब ठाकरे और आनंद दीघे के नेतृत्व में शाखा प्रमुख के रूप में काम कर रहे थे." शिवसेना को बड़ा बनाने के लिए मेरे जैसे लाखों कार्यकर्ताओं ने अपनी जान जोखिम में डालकर अपने घरों पर तुलसी के पत्ते लगाए. मैं उन लोगों के बारे में क्या कहूंगा जो सोने का चम्मच लेकर आते हैं." आदित्य ठाकरे ने एकनाथ शिंदे पर लगाये ये आरोप आदित्य ठाकरे ने कहा, पुलिस मारपीट करने वालों पर कार्रवाई नहीं करती है. आयुक्त कार्यालय में नहीं रुकते. क्योंकि वे मुख्यमंत्री के आदेश ले रहे हैं. आदित्य ठाकरे ने मुख्यमंत्री की आलोचना करते हुए कहा, "एक व्यक्ति ने स्वार्थ और राक्षसी महत्वाकांक्षा के कारण राज्य को अंधकार में डाल दिया है." "देशद्रोहियों की ये सरकार चंद सालों की नहीं, चंद महीनों की नहीं, चंद घंटों की है. यह पतन के बिना नहीं रहेगा. इसके बाद जो आईएएस, आईपीएस अधिकारी सरकार की मदद कर रहे हैं, उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे.' बता दें, उद्धव ठाकरे गुट की कार्यकर्ता रोशनी शिंदे पवार पर कथित तौर पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की प्रतिद्वंद्वी शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने उनके गृहनगर में हमला किया था, जिसके बाद से महाराष्ट्र की राजनीति गरमाई हुई है.

भ्रम की अवस्था में हैं शरद पवार: विखे पाटिल

मुंबई। केंद्र सरकार के बटर और घी आयात करने के फैसले का विरोध करने वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस अध्यक्ष शरद पवार पर पशुपालन और डेयरी विकास मंत्री राधाकृष्ण विखे-पाटिल ने निशाना साधा है। विखे पाटिल ने कहा कि बटर और घी के आयात से राज्य पर कोई भी असर नहीं पड़ेगा। शरद पवार दूध उत्पादक किसानों में बेवजह भ्रम पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। वे खुद भ्रम की अवस्था में है, यदि वे ट्वीट करने से पहले जानकारी हासिल कर लेते तो उनका भ्रम दूर हो गया होता। एक अखबार में केंद्र सरकार के विदेश से बटर और घी आयात करने की खबर प्रकाशित हुई है। इस खबर के आधार पर पवार ने इस फैसले का विरोध करते हुए केंद्रीय पशुपालन व डेयरी विकास मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला के नाम एक पत्र लिखकर उसे ट्वीट भी किया। इस पत्र में कहा गया है कि सरकार के इस निर्णय का सीधा असर दूध उत्पादक किसानों पर होगा। दूध उत्पादक कोविड-19 की विकट स्थिति से उबरने की कोशिश कर रहे हैं और सरकार का यह फैसला उन पर सीधा असर डालेगा। इस बारे में पत्रकारों से बातचीत करते हुए विखे पाटिल ने कहा कि शरद पवार खुद केंद्रीय मंत्री थे, इसलिए अखबारों में प्रकाशित खबर के आधार पर ट्वीट करने से पहले उन्हें केंद्रीय मंत्री या विभाग के सचिव से चर्चा करनी चाहिए थी। वे बिना कारण के दूध उत्पादक किसानों में भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। केंद्र सरकार का स्पष्टीकरण आने के बाद यह भ्रम दूर होगा। उन्होंने कहा कि मेरे विचार से एकाध समस्या के लिए इस तरह का डर व्यक्त करना व्यर्थ है। ऐसे में संकट आने की कोई वजह नहीं है और इसका राज्य पर कोई असर नहीं होगा। विखे पाटिल ने कहा कि यह फैसला केवल महाराष्ट्र तक ही सीमित नहीं है। पहले दुधारू पशुओं पर लंपी रोग का असर था, इससे राजस्थान, गुजरात सहित अन्य राज्यों में दूध के उत्पादन पर विपरीत असर हुआ। दूध का उत्पादन 10 से 12 फीसदी घटा है। ऐसे में देश भर की स्थिति पर विचार करते हुए केंद्र सरकार निर्णय लेती है। उन्होंने कहा कि लंपी रोग पर महाराष्ट्र ने तत्काल कार्रवाई की और 100 फीसदी टीकाकरण किया। इस तरह का मुफ्त टीकाकरण करने वाला महाराष्ट्र हमारे देश का एकमात्र राज्य है। इलाज का सारा खर्च सरकार ने उठाया। विखे-पाटिल ने कहा कि देश में कहीं भी इस तरह के प्रभावी उपाय नहीं किए गए। लंपी रोग का टीका बनाने के लिए हम पुणे में प्रयोगशाला शुरू कर रहे हैं। नागपुर अधिवेशन के दौरान केंद्र सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

नफरती भाषण देने में कर्नाटक के मंत्री के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलुरू । पुलिस ने ईसाइयों के प्रति नफरत भरा भाषण देने के आरोप में कर्नाटक के मंत्री मुनिरत्ना के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक राजपत्रित अधिकारी की शिकायत पर मुनिरत्ना के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने मंत्री पर लोगों के बीच शत्रुता को बढावा देने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की सरकार में बागवानी मंत्री मुनिरत्ना ने 31 मार्च को एक निजी समाचार चैनल से साक्षात्कार में कथित तौर पर कहा था, 'ईसाई इस समय भी लोगों का धर्मांतरण कर रहे हैं। झुग्गी-बस्तियों में धर्मांतरण के मामले सबसे ज्यादा हैं।

मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने का कार्य अभी नहीं हुआ शुरू

नई दिल्ली । कानून मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि मतदाता पहचान पत्र को आधार संख्या से जोड़ने का कार्य अब तक आरंभ नहीं हुआ है। रीजीजू ने एक सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मतदाता पहचान पत्र के साथ आधार को प्रस्तुत करना स्वैच्छिक है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में एक अगस्त, 2022 से स्वैच्छिक आधार पर, मौजूदा और भावी मतदाताओं की आधार संख्या एकत्र करने का कार्यक्रम शुरू किया। रीजीजू ने कहा कि मतदाता पहचान पत्र के साथ आधार संख्या को प्रस्तुत करना स्वैच्छिक है और आधार के लिए मतदाताओं से सहमति प्राप्त की जाती है।

'आप' ने जालंधर से सुशील रिंकू को उम्मीदवार बनाया

चंडीगढ़ । आम आदमी पार्टी (आप) ने पंजाब की जालंधर लोकसभा सीट के लिए बृहस्पतिवार को कांग्रेस के पूर्व विधायक सुशील रिंकू को अपना उम्मीदवार घोषित किया। जालंधर संसदीय सीट के लिए मतदान 10 मई को होगा और वोटों की गिनती 13 मई को होगी। रिंकू एक दिन पहले, बुधवार को पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की मौजूदगी में 'आप' में शामिल हुए थे। मान ने बृहस्पतिवार को ट्वीट करके रिंकू को उपचुनाव के लिए 'आप' का उम्मीदवार बनाए जाने की जानकारी साझा की। रिंकू इससे पहले जालंधर पश्चिम विधानसभा सीट से कांग्रेस के विधायक थे। 2022 के विधानसभा चुनाव में उन्हें 'आप' की शीतल अंगुरल ने हराया था।

आरोपी गायक और भाई के खिलाफ लुकआउट नोटिस

वाराणसी । भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में वाराणसी पुलिस ने आरोपी गायक समर सिंह और उसके भाई संजय सिंह के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। सारनाथ थानाध्यक्ष धर्मपाल सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि आरोपी समर सिंह और उसके भाई संजय सिंह के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है।

संजय राउत का दावा राज्य को अंडरवर्ल्ड की तरह चलाया जा रहा, शिंदे-फडणवीस गिरोह का कर रहे नेतृत्व

शिवसेना के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने गुरुवार (6 अप्रैल) को महाराष्ट्र सरकार पर हमला बोला और आरोप लगाया कि राज्य को अंडरवर्ल्ड की तरह चलाया जा रहा है. उन्होंने काह कि जैसा कभी मुंबई में संचालित होता था. पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के प्रमुख सहयोगी राउत ने कहा कि अपराधियों और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दिया जा रहा है और "मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री अपना-अपना गिरोह चला रहे हैं." 'अपना-अपना गिरोह चला रहे हैं सीएम-डिप्टी सीएम' राउत ने आरोप लगाया, "यह (एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस शासन) कोई सरकार नहीं है. राज्य को अंडरवर्ल्ड की तरह चलाया जा रहा है, जैसा कभी ठाणे और मुंबई से संचालित होता था. मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री अपने-अपने गिरोह चला रहे हैं." केंद्रीय जांच एजेंसियों के इस्तेमाल पर सुवाई से SC ने किया इंकार बता दें कि उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को 14 राजनीतिक दलों द्वारा विपक्ष के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों के मनमाने इस्तेमाल का आरोप लगाने संबंधी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था. इससे जुड़े सवाल पर राउत ने कहा कि शीर्ष अदालत के आदेश के बाद भारतीय जनता पार्टी जिस तरह से जश्न मना रही है, वह उनकी खुशी को प्रदर्शित करता है. "वाशिंग मशीन' में साफ होने वालों के खिलाफ क्यों नहीं हो रही कार्रवाई' उन्होंने दावा किया, "ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) और सीबीआई का राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ दुरुपयोग किया जा रहा है. बीजेपी की 'वाशिंग मशीन' में साफ होने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है." "वॉशिंग मशीन" का संदर्भ अक्सर बीजेपी के विरोधियों द्वारा दिया जाता है, जो दावा करते हैं कि केंद्रीय एजेंसियों की जांच का सामना कर रहे विपक्षी दलों के नेता जब बीजेपी में शामिल हो जाते हैं, तो उनके खिलाफ या तो जांच रोक दी जाती है या उन्हें क्लीनचिट दे दी जाती है.

कोरोना ने बढ़ाई टेंशन ! 195 दिन बाद सामने आए 5335 नए मामले

देश में कोरोना के ताजा मामले आए दिन रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं. पिछले 24 घंटों में भारत में कोरोना संक्रमण के 5,335 नए केस दर्ज किए गए हैं, जो कि पिछले 195 दिन में दर्ज किए जाने वाले दैनिक मामलों में सर्वाधिक हैं. यानी पिछले 195 दिनों में किसी भी दिन इतने मामले सामने नहीं आए थे. इससे पहले देश में 23 सितंबर, 2022 को कोरोना के 5,383 दैनिक मामले दर्ज किए गए थे. तेजी से बढ़ रहे कोरोना मामलों की वजह से लोगों में चिंता बढ़ गई है. हरियाणा, महाराष्ट्र और तमिलनाडु समेत कई राज्यों में चुनिंदा जगहों पर मास्क पहनना अनिवार्य कर

दिया गया है. हालांकि, नए मामलों की रफ्तार को देखते हुए ऐसा लग रहा है कि जल्द ही पूरे देश में मास्क को अनिवार्य कर दिया जाएगा. साथ ही अन्य कोरोना प्रोटोकॉल्स को भी लागू कर दिया जाएगा. देश में अभी तक कोरोना की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,47,39,054 हो गई है. वहीं, इलाजरत मरीजों (एक्टिव केस) की संख्या बढ़कर 25,587 पर पहुंच गई है. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में कोरोना की वजह से कर्नाटक और महाराष्ट्र में 2-2 और केरल तथा पंजाब में 1-1 मरीज की मौत हुई है. इसी के साथ देश में कोरोना से होने वाली मौतों का आंकड़ा बढ़कर 5,30,929 हो गया है. कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है. देश में वर्तमान में 25,587 मरीजों का इलाज चल रहा है, जो कि कोरोना के कुल मामलों का 0.6 फीसदी है. वहीं, मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.75 प्रतिशत है. देश में अभी तक कोरोना के कुल 4,41,82,538 मरीज महामारी को मात दे चुके हैं. अभी तक देश में कोरोना रोधी टीकों की 220.66 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी हैं.

जहां-जहां उद्धव ठाकरे की सभा, वहां-वहां पढ़ें हनुमान चालीसा

सांसद नवनीत राणा का आह्वान

अमरावती: सांसद नवनीत राणा को महाविकास आघाड़ी सरकार के काल में तात्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के मुंबई स्थित निवास 'मातोश्री' के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने की जिद की वजह से जेल जाना पड़ा था. राणा दंपत्ति 14 दिनों की कैद के बाद बाहर आ पाई थी. आज (6 अप्रैल, कगुरुवार) हनुमान जयंती है और नवनीत राणा का जन्मदिन भी. इस मौके पर सांसद महोदया ने 11 हजार लोगों के साथ 21 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया. इस अवसर पर सांसद नवनीत राणा ने लोगों से यह आह्वान किया कि आने वाले वक्त में जहां-जहां उद्धव ठाकरे और महाविकास आघाड़ी की सभाएं हों, वहां-वहां उस स्थान को पवित्र करने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ करें.

'आज ठाकरे सरकार की सत्ता नहीं, हनुमान चालीसा पढ़ने से कोई रोक सकता नहीं' इस अवसर पर नवनीत राणा ने कहा कि आज महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास आघाड़ी की सरकार नहीं है. ऐसे में हनुमान चालीसा पढ़ने में कोई रोक-टोक और अवरोध नहीं है. राणा ने कहा कि बड़े-बड़े लोगों का घमंड उतर जाता है, उद्धव किस खेत की मूली

हैं. नवनीत राणा ने अपना संकल्प दोहराते हुए कहा कि जहां-जहां उद्धव ठाकरे की सभाएं होंगी वे खुद जाकर वहां-वहां हनुमान चालीसा का पाठ करेंगी और उन जगहों को पवित्र करेंगी.

हनुमान चालीसा के लिए पड़ा जेल जाना, याद कर रो पड़ीं नवनीत राणा

अमरावती में हनुमान जयंती और नवनीत राणा का जन्मदिन एक साथ भव्य आयोजनों के साथ मनाया गया. 15 एकड़ के भव्य पंडाल में हजारों हनुमान भक्तों ने हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया. इस अवसर पर सांसद नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा ने उस वक्त को याद किया जब उनपर हनुमान चालीसा पढ़ने के लिए देशद्रोह का केस दर्ज किया गया था. वो समय याद करते हुए नवनीत राणा की आंखें डबडबा गईं. इस मौके पर नवनीत राणा के पति विधायक रवि राणा ने कहा कि अगर कभी रश्मि ठाकरे को जेल जाना पड़ा तो उद्धव ठाकरे को कैसा लगेगा? बालासाहेब ठाकरे ने महिलाओं को सम्मान दिया था, उनके बेटे उद्धव ने नवनीत को जेल भेज दिया. मुख्यमंत्री पद के लिए उद्धव ने बालासाहेब के विचारों को त्याग दिया. हनुमान चालीसा पढ़ना अगर गुनाह है तो रवि राणा यह गुनाह हजार बार करेगा.

मुंबई के लोगो को पानी छीनने वाले बिल्डर से मनपा वसूलेगी 75 करोड़

मुंबई। जलापूर्ति करने वाली पाइप लाइन तोड़ने (pipe breaking) वाले थाने के बिल्डर से मनपा 75 करोड़ रुपए वसूल करेगी। मनपा ने टनल को तोड़ने पर उसकी मरम्मत करने के लिए बिल्डर को 14 करोड़ का पहले ही नोटिस दिया है। मनपा अब एम आई डी सी को पत्र लिखकर 75 करोड़ रूपये लोगो का पानी छीनने के लिए वसूल करने का निर्णय लिया है। मनपा प्रशासन ने महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) लिमिटेड को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि मुंबई की जनता का पानी छीन कर उन्हें परेशानी में डालने का काम किया है। इसके लिए बिल्डर से 75 करोड़ वसूल करने का निर्देश दिया है। बिल्डर ने ठाणे में पाइपलाइन को क्षतिग्रस्त (damaged) कर दिया था जिसके परिणामस्वरूप मुंबई में पानी का संकट पैदा हो गया है ।मुंबई के लोगो को एक माह तक पानी की समस्या से जूझना पड़ेगा। मनपा को पाइप लाइन की मरम्मत पर ही 14 करोड़ रुपये खर्च करना पड़ेगा। पाइप लाइन फूटने से पानी का हुए रिसाव से बर्बाद हुए पानी कीमत मनपा अब बिल्डर से वसूल करेगी।

कोस्टल रोड का काम समय पर पूरा करने के लिए बढ़ाये गए डेढ़ हजार कर्मचारी

मुंबई। ट्रैफिक की बढ़ती समस्या पर लगाम लगाने के लिए बनाए जा रहे कोस्टल रोड (Coastal Road) का काम समय पर पूरा करने के लिए मनपा ने डेढ़ हजार कर्मचारियों (1500 employees) की संख्या बढ़ा दी है। कोस्टल रोड प्रोजेक्ट दिसंबर 2023 में पूरा करना था। वर्ली सीलिंक के पास दो खंभो के बीच की दूरी बढ़ाये जाने के बाद कोस्टल रोड का काम मई 2024 तक पूरा करने की योजना है। बता दे कि कोस्टल रोड का काम समस्य पर पूरा करने के लिए मनपा ने कर्मचारियों एवं वर्करों की संख्या 1500 बढ़ा दी है। जिससे कोस्टल रोड निर्माण कार्य में कर्मचारियों एवं वर्करों की संख्या बढ़कर 4500 हो गई है।मनपा अधिकारी ने बताया कि कोस्टल रोड का करीब 75 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। साथ ही दूसरी टनल का काम भी लगभग 95 प्रतिशत पूरा हो गया है।

काम तेजी से हो रहा है मनपा अधिकारी चौबीस घंटे इस पर नजर बनाए हुए हैं। टीबीएम मशीन का एक पार्ट टूट जाने से

कोस्टल रोड के लिए बन रही दूसरी टनल की खुदाई (tunnel digging) पर असर पड़ा है। इस कारण मार्च के आख़िरी तक टनल का पूरा होने वाला कार्य अब अप्रैल में पूरा हो सकेगा।प्रियदर्शिनी पार्क से वर्ली सी लिंक तक 10.58 किलोमीटर लंबी

सड़क का निर्माण मनपा कर रही है। जिस पर 12700 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च हो रहा है। प्रियदर्शिनी पार्क से गिरगांव चौपाटी तक बनी टनल 2.070 किमी लंबी टनल का काम 10 जनवरी 2022 को पूरा हुआ था।

दूसरी टनल का काम अप्रैल में पूरा होने की उम्मीद है। मनपा को उम्मीद है कि दिसंबर 2023 तक वर्ली के पास पुल के काम को छोड़कर अन्य कार्य पूरे हो जाएंगे। इसके बाद लाइट पोल, सीसीटीवी, केबल, सिग्नल लगाने, पेंटिंग करने, रोड मार्किंग के लिए करीब दो महीनों लगेंगे। इसके बाद जून तक कोस्टल रोड को मुंबईकरों के आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा।

विशेषज्ञों की सलाह- 30 की आयु के बाद कराएं नियमित हेल्थ टेस्ट, ये जांच सभी के लिए जरूरी

राज के.वेगड़

'प्रिवेंशन इज बेटर दैन क्योर' यह कहावत आपने जरूर सुनी होगा, जिसका मतलब होता है कि किसी बीमारी-समस्या के बढ़ने से पहले उसकी रोकथाम कर लेना बहुत आवश्यक होता है। सेहत के मामले में इसकी महत्ता और भी बढ़ जाती है। डॉक्टर कहते हैं, कुछ बीमारियों में शुरू में बरती गई लापरवाही या नजरअंदाजगी गंभीर समस्याकारक हो जाती है। जबकि अगर समय रहते सही निदान और उपचार हो जाए तो न सिर्फ आप बड़े खर्च से बच जाते हैं, साथ ही गंभीर जटिलताओं का जोखिम भी कम होता है। यही कारण है कि सभी लोगों को नियमित रूप से हेल्थ टेस्ट कराते रहने की सलाह दी जाती है। स्वास्थ्य और फिटनेस के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। वर्ल्ड हेल्थ डे 2023 के अवसर पर डॉक्टर्स कहते हैं, सभी लोगों को आवश्यक तौर पर 30 की आयु के बाद नियमित रूप से हेल्थ टेस्ट कराते रहना चाहिए। ऐसा करके आप भविष्य में होने वाली कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को कम कर सकते हैं। जांच के माध्यम से समय रहते बीमारियों का निदान हो जाना आपको किसी बड़े जोखिम से बचाने में भी मददगार है। आइए जानते हैं कि इसके लिए कौन-कौन से जांच आवश्यक है?

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर डॉ अमरेंद्र भाटिया (इंटेंसिव केयर एक्सपर्ट) कहते हैं, जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली, शरीर के अंगों की कार्यक्षमता कम होने लगती जाती है। इसके साथ कई प्रकार की बीमारियों का खतरा भी बढ़ने लगता है। नियमित रूप से चिकित्सकीय सलाह लेना और स्वस्थ रहने के लिए कुछ परीक्षण कराते रहना यहां आवश्यक हो जाता है।

कई बीमारियों का अगर समय पर निदान और इलाज हो जाए तो इसके गंभीर रूप लेने का जोखिम काफी हद तक कम किया जा सकता है। 30 की आयु के बाद नियमित जांच कराते रहना सभी के लिए जरूरी है।

कौन-कौन से टेस्ट कराएं?

पिछले दो-तीन दशक में डायबिटीज और हृदय रोगियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। इसके अलावा कोरोना महामारी के बाद हृदय स्वास्थ्य की जटिलताओं के मामले अधिक रिपोर्ट हो रहे हैं। नियमित ब्लड टेस्ट, कोलेस्ट्रॉल स्क्रीनिंग और रक्तचाप की जांच भविष्य में किसी भी गंभीर बीमारी को रोकने में मदद कर सकती है।

हर छह महीने पर शुगर की जांच (HbA1c) के साथ कोलेस्ट्रॉल की जांच जरूर कराते रहें। यह डायबिटीज-हृदय रोगों के जोखिमों को जानने में मदद करेगी।

महिलाएं विशेष ध्यान दें

भारत में महिलाओं में एनीमिया की समस्या बहुत आम है जो समय के साथ कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। हर छह महीने पर हीमोग्लोबिन के स्तर की जांच जरूर कराएं। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में हृदय रोगों और इसके कारण मौत का खतरा अधिक होता है। कोलेस्ट्रॉल, लिपिड टेस्ट, ब्लड प्रेशर की जांच आपमें समय रहते इसके जोखिमों को पहचानने और उससे बचाव के लिए सहायक हो सकता है।

थाइरॉइड और अन्य जांच

देश में 40-50 की आयु तक जाते-जाते अधिकतर लोग थाइरॉइड की समस्या के शिकार हो जाते हैं, यह विकार संपूर्ण शरीर के लिए हानिकारक है। समय-समय पर थाइरॉइड की जांच कराना और उससे बचाव के उपाय करते रहना आवश्यक है। इसके अलावा किडनी-लिवर फंक्शन टेस्ट कराके आप पाचन और उससे संबंधित रोगों के खतरे को कम कर सकते हैं। आपकी सेहत के हिसाब से कौन-कौन से जांच आवश्यक हैं, इसके बारे में जानने के लिए किसी विशेषज्ञ की सलाह ले लें।

कोरोना और इसके दुष्प्रभाव, महामारी के बाद आश्चर्यजनक रूप से इन बीमारियों में हुई बढ़ोतरी

चार्ल्स पटेल

वैश्विक स्तर पर जारी कोरोना महामारी ने सेहत को कई प्रकार से प्रभावित किया है। संक्रमण के दौरान जहां लोगों को कई प्रकार की स्वास्थ्य जटिलताओं का सामना करना पड़ा, वहीं संक्रमण से ठीक होने के बाद भी कई लोगों में बनी लॉन्ग कोविड की समस्या चिंता बढ़ाने वाली है। अध्ययनकर्ता बताते हैं कि कोरोना के संक्रमण ने लोगों की सेहत को दीर्घकालिक रूप से प्रभावित किया है। महामारी ने जहां मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हुए चिंता विकार-अवसाद के मामले बढ़ा दिए वहीं शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं में भी पिछल दो वर्षों में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। आज विश्व स्वास्थ्य दिवस 2023 के मौके पर आइए इन समस्याओं पर एक नजर डालते हैं।

डॉक्टर्स कहते हैं, महामारी के दौरान उपजी परिस्थितियों ने लोगों में शारीरिक निष्क्रियता को काफी बढ़ा दिया है जिसके कारण बीमारियों का खतरा भी अधिक हो गया है। पोस्ट कोविड सिंड्रोम की समस्या के साथ संक्रमण की स्थितियों ने शरीर के कई अंगों को प्रभावित किया है। आइए जानते हैं कि महामारी के बाद किन क्रोनिक रोगों के मामले अधिक रिपोर्ट किए जा रहे हैं? हृदय रोग-हार्ट अटैक के मामले स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कोरोना महामारी के बाद लोगों में हृदय रोगों की समस्या काफी तेजी से बढ़ी है, कई ऐसे लोग जिन्हें पहले इस तरह की दिक्कतें नहीं थीं, उनमें भी इससे संबंधित समस्याओं का निदान किया जा रहा है। इसके अलावा आश्चर्यजनक तौर पर हार्ट अटैक के मामले भी देखे गए हैं, जिसमें शादी-उत्सवों के दौरान दिल का दौरा पड़ने, काम करते हुए और जिम में भी लोग हार्ट अटैक के शिकार हुए हैं। कोरोना महामारी के बाद कार्डियोवैस्कुलर या हृदय की जटिलताओं जैसे दिल का दौरा, स्ट्रोक, हृदय की गति में अनियमितता और रक्त के थक्के जमने का खतरा बढ़ा हुआ देखा जा रहा है।

श्वसन विकारों का खतरा

कोरोना वायरस, श्वसन रोगों का कारण बनती है। संक्रमण का शिकार रहे लोगों के अलावा भी अन्य लोगों में इस तरह के विकारों के मामले बढ़े हैं। कोविड-19 के कारण लगातार खांसी आने, सांस की तकलीफ, सीने में जकड़न आदि हो सकती है। ये अस्थमा या क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) जैसी पहले से मौजूद श्वसन स्थितियों के जोखिम को बढ़ाने वाली समस्याएं हैं। श्वसन विकारों के नए रोगी भी तेजी से बढ़े हैं।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं

कोरोना महामारी ने ऐसी अनिश्चितता और डर वाली स्थितियों को जन्म दिया जिसके कारण मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के मामले में 40 फीसदी तक का इजाफा देखा गया है। चिंता, अवसाद, याददाश्त की समस्याएं, एकाग्रता में कमी जैसी

स्थितियां जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं।

महामारी के दौरान अपनों से दूरी, लोगों को असहज रूप से मरते देखने ने मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

इंटेंसिव केयर यूनिट के डॉक्टर उत्कर्ष सिन्हा कहते हैं, कोरोना वायरस भले ही श्वसन रोगों का कारण माना जाता रहा हो पर इसके कारण शरीर के कई अन्य अंगों पर भी असर देखा गया है। यह न केवल फेफड़ों को प्रभावित करता है बल्कि किडनी, हृदय और मस्तिष्क को भी नुकसान पहुंचाता है। पिछले एक-दो साल में दिल का दौरा, किडनी की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर-डायबिटीज जैसी क्रोनिक स्वास्थ्य समस्याओं के मामले काफी बढ़े हैं। महामारी ने पुरानी बीमारियों के निदान, उपचार और देखरेख में काफी बाधा डाली है जिसके कारण पहले से ही कई बीमारियों के शिकार लोगों की स्थिति भी बिगड़ी है।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हैं बड़ी चुनौती

महेक जोबनपुत्रा

संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए शारीरिक और मानसिक दोनों ही तरह की सेहत को लेकर सजग रहना आवश्यक है। कोरोना महामारी के दौर में बनी प्रतिकूल परिस्थितयां इस बात को और भी बल देती हैं। वैश्विक स्तर पर हुए कई अध्ययन इस बात की पुष्टि करते है कि महामारी का लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव हुआ है। यही कारण है कि पिछले दो साल में चिंता-अवसाद और तनाव से संबंधित विकार से पीड़ित लोगों की संख्या में तेज उछाल देखने को मिला है। शोधकर्ताओं का कहना है कि मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखना आपकी प्राथमिकताओं में से अवश्य होना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2022 के अवसर पर अमर उजाला से बातचीत में वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ सत्यकांत त्रिवेदी बताते हैं, बिना स्वस्थ मन के, स्वस्थ शरीर की कल्पना करना बेमानी होगी। पिछले एक साल में बढ़े मनोरोगियों की संख्या भविष्य के लिए अलार्मिंग है। हमारी जीवनशैली, आहार और भावनात्मक परिवेश कई तरह से इन समस्याओं को बढ़ा रहे हैं, जिसको लेकर सभी लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। आइए जानते है कि किन बातों को ध्यान में रखकर इस

बड़ी चुनौती से मुकाबला किया जा सकता है? मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं गंभीर चुनौती विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट के मुताबिक अधिकांश निम्न और मध्यम आय वाले देशों में मानसिक स्वास्थ्य सेवा वितरण में प्रगति काफी धीमी रही है। यह सामाजिक विकास में बड़ा बाधक बन सकती है। डब्ल्यूएचओ के पहले महानिदेशक डॉ. ब्रॉक चिशोल्म ने कहा था, " बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के बिना, शारीरिक स्वास्थ्य ठीक रह ही नहीं सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस बारे में लोगों को जागरूकता करने की आवश्यकता है। मेंटल हेल्थ को लेकर फैले स्टिग्मा और अज्ञानता के साथ गलत जानकारियां बड़ी चुनौती हैं। आइए जानते हैं कि बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए किन बातों का ध्यान रखना प्राथमिक तौर पर जरूरी है?

भावनाओं को व्यक्त करें

अपनी भावनाओं के बारे में बात करना कमजोरी का संकेत नहीं है। बात करना उस समस्या से निपटने का एक तरीका हो सकता है जिसे आप कुछ समय से अपने दिमाग में लेकर चल रहे हैं। लोगों के प्रति अपने प्रेम, अनुभूतियों को व्यक्त करें और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। दिमाग में किसी बात को लेकर बैठे रहने से तनाव-चिंता बढ़ती है। यह आदत आपको अधिक नकारात्मक बना सकती है जिसका सीधा असर आपके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। हम क्या खाते हैं, इसका सीधा असर हमारे शारीरिक-मानसिक दोनों तरह की सेहत को प्रभावित करता है। यही कारण है कि सभी लोगों को स्वस्थ और पौष्टिक आहार के सेवन की सलाह दी जाती है। शरीर के अन्य अंगों की तरह ही आपके मस्तिष्क को स्वस्थ रहने और अच्छी तरह से कार्य करने के लिए पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। आहार में प्रोटीन, विटामिन्स और फाइबर युक्त चीजों की मात्रा को बढ़ाएं।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : मेष राशि के जातकों के लिए इस सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को छोटी-मोटी बातों पर उत्तेजित होने से बचना चाहिए। खास तौर पर कार्यक्षेत्र में किसी से उलझने की भूलकर भी कोशिश न करें क्योंकि आपके विरोधी आपको बेवजह की चीजों में उलझाकर लक्ष्य से भटकाने की कोशिश कर सकते हैं।

वृषभ : वृष राशि के जातकों को इस सप्ताह अपने धन और समय का प्रबंधन करके चलने की जरूरत रहेगी। इस सप्ताह आपके पास तमाम स्रोतों से धन का आगमन तो होगा लेकिन खर्च की अधिकता उससे कहीं ज्यादा बनी रहेगी। सप्ताह की शुरुआत में ही आपको अपने घर की साज-सज्जा, संतान की जरूरतों और पर्यटन आदि पर बड़ी राशि खर्च करनी पड़ सकती है।

मिथुन : मिथुन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए है। सप्ताह के पूर्वार्ध में ही आपकी कोई बड़ी कामना पूरी होने पर घर-परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर दोनों का पूरा सहयोग मिलेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को सप्ताह की शुरुआत में ही कारोबार में खासा लाभ होगा।

कर्क : कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आप अपने करियर-कारोबार में मनचाही सफलता प्राप्त करेंगे। यदि आप लंबे समय से अपने प्रमोशन या मनचाही जगह पर तबादले का इंतजार कर रहे थे तो वह खत्म होगा और आपको अपने कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के साथ महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

सिंह : सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उनकी मनोकामनाओं को पूरा करने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में करियर-कारोबार से जुड़ी यात्रा संभव है। यात्रा सुखद एवं मनचाहा फल देने वाली साबित होगी। यदि आप लंबे समय से रोजी-रोजगार की तलाश में थे तो आपको इस सप्ताह कोई बड़ा अवसर प्राप्त होगा। नौकरी में बदलाव की कामना भी पूरी हो सकती है।

कन्या : कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपको जरूरी कार्यों को निबटाने के लिए जरा ज्यादा ही भागदौड़ करनी पड़ सकती है। सप्ताह की शुरुआत में कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त कामकाज बोझ आ जाने के कारण आपको उसे निबटाने के लिए अतिरिक्त परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। नौकरीपेशा महिलाओं को कार्यक्षेत्र और घर के बीच तालमेल बिठाने में थोड़ी दिक्कतें आ सकती हैं।

तुला : तुला राशि के जातकों को इस सप्ताह पास के फायदे में दूर का नुकसान करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपको मिलने वाला लाभ हानि में न तब्दील हो जाए इसके लिए आपको अपनी बुद्धि और विवेक का पूरा इस्तेमाल करना होगा और ऐसे लोगों से उचित दूरी बनानी होगी जो अक्सर आपको आपके लक्ष्य से भटकाने की कोशिश करते हैं।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। इस सप्ताह आप किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से उस बड़ी समस्या का समाधान खोजने में कामयाब हो जाएंगे, जो बीते कुछ महीनों से आपकी चिंता का बड़ा कारण बनी हुई थी। इस सप्ताह कार्यक्षेत्र या फिर व्यवसाय में योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर मनचाही सफलता मिल सकती है।

धनु : धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह बेहद शुभ रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत से ही आपके सोचे हुए काम पूरे होते हुए नजर आएंगे। जिसके चलते आपके भीतर गजब का उत्साह और ऊर्जा देखने को मिलेगी। इस दौरान आप अपने सभी कार्यों को गंभीरतापूर्वक करने का प्रयास करेंगे, जिसके आपको सुखद परिणाम भी प्राप्त होंगे।

मकर : मकर राशि के जातकों को इस सप्ताह भावनाओं में बहकर या फिर असमंजस की स्थिति में कोई निर्णय लेने से बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में अपना काम किसी दूसरे के भरोसे छोड़ने की भूल बिल्कुल न करें अन्यथा उसमें होनी वाली गलती या फिर कमी के लिए आपको अपने बॉस के गुस्से का शिकार होना पड़ सकता है।

कुंभ : कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह बेहद शुभ साबित होगा। सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर-कारोबार से जुड़ी कोई बड़ी शुभ सूचना मिल सकती है। जिससे आपके घर-परिवार में खुशियों का माहौल बना रहेगा। यदि आप नौकरीपेशा लोग हैं तो आपकी पदोन्नति हो सकती है और यदि व्यवसायी हैं तो आपको अपने कारोबार में खासा लाभ मिल सकता है।

मीन : मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह किसी भी चीज को पाने के लिए शार्टकट अपनाने से बचना होगा, अन्यथा बना बनाया काम भी बिगड़ सकता है। ऐसे में किसी भी योजना को साकार करने के लिए सीधे रास्ते पर चलते हुए सिर्फ और सिर्फ अपनी मेहनत और परिश्रम पर ही भरोसा करें। सप्ताह के मध्य में आपको सेहत संबंधी कुछेक दिक्कतें आ सकती हैं।

चुटकुले

यात्री : क्या मैं यहां एक सिगरेट पी सकता हूं?.
स्टेशन मास्टर : नहीं...यहां सिगरेट पीना सख्त मना है।.
यात्री : फिर यहां इतने सिगरेट के टुकड़े कैसे पड़े हैं?..
स्टेशन मास्टर : ये उन लोगों ने फेंके हैं जो पूछते नहीं है।

एक आदमी वकील बन गया उनको पहला केस मिला
मुलजिम - वकील साहब कोशिश करना
उम्र कैद हो, फंसी ना हो
वकील - तुम चिंता मत करो, में हूं ना
पेशी के बाद कोर्ट से बाहर आते हुए
पत्रकार - क्या हुआ
वकील - बहुत मुश्किल से उम्र कैद करवाई है
वरना जज तो रिहा कर रहा था

दुकानदार : बताइए जनाब क्या चाहिए ?
चिंटू: अपने होने वाली बीवी के कुत्ते के लिए केक चाहिए
दुकानदार : यहीं खाओगे या पैक कर दूं
चिंटू- अब कोई भी मुझे 'अप्रैल फूल' नहीं बना पाएगा...
वजह जानकर कंट्रोल नहीं होगी हंसी

लड़की- भैया मुझे चप्पल लेनी है
दुकानदार- ये देखो बहन जी नया डिजाइन
लड़की- और दिखाओ, ये नहीं और दिखाओ..
दुकानदार- बहन जी अब तो सारी चप्पल दिखा दीं
अब तो कोई नहीं बची
लड़की- अरे भैया वो एक और डिब्बा रखा है ना
दुकानदार- रहंम करो बहन जी
वो मेरा लंच का डिब्बा है

मॉन्टेरिया विलेज के 'कबीला' में मिलेगा शहरी जीवन से दूर प्रकृति का आनंद

मुंबई। यदि आप गर्मी की छुट्टियों में कहीं घूमने की योजना बना रहे हैं तो मॉन्टेरिया विलेज के 'कबीला' में वो सारी सुख सुविधाएं मिल जाएगी जो शहरी जीवन से दूर प्रकृति की छांव में आराम के लिए बहुत ही सुखद जगह है। यहां मॉन्टेरिया विलेज ने 'कबीला' के अनुभव को नया रूप दिया है। हरे-भरे खेत, बगीचे, झरने और सह्याद्री पर्वतमाला से घिरा हुआ यह एक ऐसा पर्यटन स्थल है। यह सुखद जिंदगी का अनुभव देने के लिया एक आदर्श गंतव्य स्थान है।बता दें कि महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के खालापुर में स्थित, मोंटेरिया गांव उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है, जो तारों भरे आसमान के नीचे समय बिताना पसंद करते हैं, लोगों के साथ घुलमिल जाते हैं, प्राकृतिक माहौल में घूमते हैं, और अपने प्रियजनों के साथ कुछ अच्छा समय बिताते हैं। यह जगह लोगों

को एक साथ लाने, सामाजिक रूप से जुड़ने और डिजिटल और तेज़ शहरी जीवन से दूर रखने के लिए डिज़ाइन की गई है। बंजारा समुदाय से प्रेरित 'कबीला' जोकि 4 श्रेणियों में फैले है। इसमें 46 आरामदायक थीम वाले कमरे हैं। जिनमे विलेज हट्स, वुडन शैलेट, कच्ची भुंगा और प्रीमियम कॉटेज-जो आधुनिक सुविधाओं के साथ सुंदर पारंपरिक वास्तुकला की शुरुआत करते हैं।राही वघानी (प्रबंध निदेशक, मोंटेरिया रिज़ॉर्ट प्रा. लिमिटेड) का कहना है कि हमारे मेहमानों को एक आरामदायक और समृद्ध गांव का अनुभव प्रदान करने के लिए 'कबीला' को डिज़ाइन किया गया है। हमारा उद्देश्य अपने मेहमानों को एक पारंपरिक अपील और आधुनिक आवश्यकताओं के साथ एक सर्वोत्कृष्ट गांव का एक उन्नत अनुभव प्रदान करना है। 36 एकड़ में फैले मॉन्टेरिया विलेज में मेहमानों को कला, संस्कृति और पारंपरिक गतिविधियों के माध्यम से गांव के जीवन की झलक दिखाई जाती है। नुक्कड़ स्नैक की दुकानों से लेकर यहां साब्रास रेस्तरां जैसे बुफे सिस्टम को सुविधा है जो पर्यटकों को भोजन परोसने का अलग ही अनुभव प्रदान करता है। इतना ही नहीं कैफे डे मॉन्टेरिया में एक व्यापक ला कार्टे मेनू और मॉकटेल और कॉकटेल की एक विस्तृत श्रृंखला भी परोसी जाती है।मॉन्टेरिया विलेज के कबीला में ग्रामीण सेटअप का अनुभव करने के लिए गाँव में टहलना आवश्यक है। हरे-भरे खेतों, रंगीन कच्छ के घरों और सरपंच के घरों में टहलें। गौशाला, बोर झील, गुफा सुरंग, एक बांस की नाली और ओम मंदिर पर पर्यटक जा सकते हैं। अस्थायी रेलवे स्टेशन पर रेल पटरियों के माध्यम से टहलें या झरने से जुड़े स्विमिंग पूल या पास की पहाड़ी पर हाइक ट्रेल पर डुबकी ले सकते हैं।यहां गांव की महिलाएं घर का बना अचार और पापड़ भी बेचती हैं। शाम का गाँव मेला लोक नृत्य, संगीत और नौटंकी देखने लायक है। लोक कला, प्रदर्शन मंच, वह जगह है जहाँ कलाकार लोक संगीत, नृत्य और रंगमंच की गतिविधियों का प्रदर्शन करते हैं।यहां पर बांस और फर्नीचर बुनकरों से हस्तशिल्प की वस्तुएं खरीद सकते हैं। गाँव में बढ़ई, लोहार, नाई, दर्जी और मिट्टी के बर्तन बनाने और साइकिल मरम्मत की कार्यशालाएँ भी हैं। किसी के पास अपनी धातु प्राप्त करने और गांव में कलाकारों के साथ फिर से तैयार करने का विकल्प भी है।साथ ही पर्यटक पारंपरिक खेलों में व्यस्त रह सकते हैं और पारंपरिक से लेकर आधुनिक तक खेती के बारे में जानने के लिए हर तकनीक और प्रक्रिया का पता लगा सकते हैं।

- संतोष साहू

गायक अरमान मलिक ने 'पहला प्यार' के 100 मिलियन स्ट्रीम पार करने पर आभार व्यक्त किया!

गायक अरमान मलिक अपने गाने 'पहला प्यार' के स्पॉटिफाई पर 100 मिलियन स्ट्रीम पार करने से खुश हैं!

जब फिल्म कबीर सिंह रिलीज हुई, तो फिल्म के संगीत की सबसे ज्यादा सराहना हुई और यह तुरंत हिट हो गई। गायक अरमान मलिक का 'पहला प्यार' एल्बम के सबसे पसंदीदा गीतों में से एक बन गया, और कई प्लेटफार्मों पर विचार और धाराएं बढ़ती रहीं।पॉप आइकन के रूप में प्रसिद्ध, अरमान मलिक ने दुनिया को विभिन्न शैलियों और भाषाओं में कुछ बेहतरीन गाने दिए हैं। अपने पहले अंग्रेजी एकल 'कंट्रोल' को रिलीज़ करने से लेकर, अपना खुद का लेबल लॉन्च करने और लगातार दो बार एमटीवी ईएमए अवार्ड जीतने तक, अरमान ने बहुत कम उम्र से ही प्रमुख मील के पत्थर हासिल कर लिए हैं।

उन्होंने अब एक और गाना गाया है क्योंकि 'पहला प्यार' उनका पहला गाना है जिसने अन्य चार्टबस्टर्स को पीछे छोड़ते हुए स्पॉटिफाई पर 100 मिलियन स्ट्रीम को पार कर लिया है।उन्होंने अपना आभार और उत्साह व्यक्त करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया, "मेरे पहले 100 मिलियन आभारी और धन्य! #PehlaPyaar @spotifyindia"यह उपलब्धि अरमान की प्रशंसा की बढ़ती सूची में शामिल हो गई है, जिससे वह भारतीय संगीत उद्योग में सबसे सफल और बहुमुखी संगीतकारों में से एक बन गए हैं। अपने बहुभाषी कौशल और प्रतिभा के साथ, अरमान ने दुनिया भर का दिल जीत लिया है।अरमान मलिक द्वारा गाया गया, 'पहला प्यार' फिल्म कबीर सिंह का एक भावपूर्ण रोमांटिक ट्रैक है, जिसे विशाल मिश्रा द्वारा संगीतबद्ध किया गया है, जिसके बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं।

शेरलॉक होम्स के इंडियन एडेप्टेशन में रसिका दुगल आइरीन एडलर की भूमिका निभाएंगी

मिर्जापुर और दिल्ली क्राइम में अपने बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए जानी जाने वाली रसिका दुगल, 'शेरलॉक होम्स' टाइटल के इंडियन एडेप्टेशन में अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सीरीज को एक भारतीय सेटिंग में बनाया जाएगा और फिल्म निर्माता श्रीजीत मुखर्जी द्वारा निर्देशित किया जाएगा।शेरलॉक होम्स के इंडियन एडेप्टेशन में के के मेनन को शर्लक होम्स और रणवीर शौरी को डॉ जॉन वाटसन के रूप में दिखाया जाएगा, जबकि रसिका दुगल आइरीन एडलर की भूमिका निभाएंगी। इस शो में उषा उथुप को मिसेज हडसन और कौशिक सेन को माइक्रॉफ्ट होम्स के रूप में भी दिखाया जाएगा।रसिका दुगल द्वारा निभाई गई इरीन एडलर एकमात्र ऐसी महिला हैं, जिन्होंने शेरलॉक होम्स को मात दी है, निश्चित रूप से उनका बेहतरीन

परफॉर्मेंस होगा, उनके पिछले कामो में बेस्ट परफॉर्मेंस देने के उनके ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए।इस शो के नाम और व्यक्तित्व में बंगाली टच होगा, जो इसे भारत में दर्शकों के लिए अनूठा और आकर्षक बनाएगा। शेरलॉक होम्स का यह अनुकूलन मूल सीरीज के फैंस के लिए एक बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट्स है और एक उत्कृष्ट अभिनय देखने का अनुभव प्रदान करने का वादा करता है।शो की शूटिंग जल्द ही कोलकाता में शुरू होगी। प्रतिभाशाली कलाकार, अद्वितीय सेटिंग और कथानक के साथ, इसे क्लासिक जासूसी कहानी का एक आशाजनक रूपांतर मैं बनाएंगे।

आर.जे. रेखा का प्रथम काव्य संग्रह "मुझसे कहते तो" का भव्य लोकार्पण हुआ

राकेश बेदी, संदीप मारवाह, और देश के अनेक वरिष्ठ साहित्यकार व लेखक सम्मलित हुए, सुप्रसिद्ध रेडियो जॉकी, वॉइस आर्टिस्ट और टीवी एंकर आर.जे.रेखा के प्रथम कविता संग्रह 'मुझसे कहते तो' का लोकार्पण ११ मार्च २०२३ को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के सभागार में संपन्न हुआ। विभिन्न विषयों को अपने में समेटे ७० महत्वपूर्ण कविताओं से सजे संकलन का लोकार्पण फ़िल्म, मीडिया और साहित्य जगत के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में जाने-माने फ़िल्म अभिनेता और रंगकर्मी राकेश बेदी, मारवाह स्टूडियो नोएडा के चेयरमैन संदीप मारवाह, वरिष्ठ साहित्यकार लक्ष्मी शंकर बाजपेई, सुप्रसिद्ध कवि पत्रकार पंडित सुरेश नीरव, शिक्षाविद्-कवि एवं उद्भव संस्था के चेयरमैन डॉ. विवेक गौतम और लेखक, अभिनेता एवं निर्देशक ज़ाहिद एम शाह और सोशल एक्टिविस्ट एम के यादव उपस्थित थे। एफ.एम.गोल्ड और बीबीसी से जुड़ी आर.जे. रेखा ने अपनी आवाज़ और उपस्थिति दुनिया के अनेक महत्वपूर्ण आयोजनों और उत्पादों के प्रचार-

प्रसार में दी है। उनकी कविताओं के संदर्भ में भी उपस्थित साहित्यकारों का स्पष्ट मत था कि उनमें एक अच्छी कवयित्री बनने के तमाम गुण विद्यमान हैं और उन्हें निरंतर लिखना जारी रखना होगा। इस भव्य समारोह के संयोजन और संचालन में जिन संस्थानों और व्यक्तियों का सहयोग और समर्पण रहा उनमें वरिष्ठ पत्रकार महानगर मेल के ग्रुप एडिटर रणवीर गहलोत, वॉयस ओवर आर्टिस्ट मनीष त्रिपाठी, एक्ट्रेस प्रिया सिंह, आर.जे.और एपीएन न्यूज़ के पत्रकार रवीन्द्र सिंह, वरिष्ठ पत्रकार राजू बोहरा,समाजसेवी अजय बसोया, ओपन सर्च की ग्रुप एडिटर विजय कुमार, वीडियो एडिटर मुकेश टम्टा, पत्रकार नवीन खाती, पत्रकार सुनीता तिवारी, शीतल चौहान, विवेक राठौर, पत्रकार धर्मेंद्र कुमार प्रमुख थे। समारोह में अपना वक्तव्य देते हुए बेहद संवेदनशील हृदय रखने वाली आर.जे. रेखा भावुक हो उठीं। इसी क्रम में उन्होंने अपनी बेहतरीन कविता का पाठ भी उपस्थित लोगों के लिए किया। समारोह में उनके माता निर्मला देवी, पिता मामचंद और पूर्व शिक्षकों श्री मती मधु , श्रीमती कविता जैन, श्री हरीश जोशी सहित उनके अनेक देश के अलग अलग हिस्सों से आए श्रोता सुरेंद्र खुराना, नवाब अहमद भारती, सलीम अख्तर, प्रेम चंद प्रेमी, अनिल ठाकुर, फारूख अली, दिलावर खान, रतीश मल्होत्रा, अनिल शर्मा, मोहम्मद सईद अब्बासी और गणमान्य लोग जिनमे बॉलीवुड अभिनेता कुलदीप शर्मा , आकाशवाणी से विनीता ठाकुर , प्रीति मोहन ,अवधेश आर्य, अरुण होरा, रूपा धवन,मनोज कुमार, कवि अरविंद त्यागी "नालायक", कवयित्री नेहा नहाटा,कवि विजय मित्तल , मित्र राजकुमार , देवराज, और भाई, भाभी और बहन सहित पूरा परिवार उपस्थित रहा ।इस मौके पर ज्ञान लक्ष्मी प्रोडक्शन द्वारा बनने जा रही एक म्यूजिक एलबम "भुला सको तो कहो" सांग का पोस्टर भी लॉच किया गया जो इसी बुक की एक कविता है। जिसमें एक्ट्रेस प्रिया सिंह लीड भूमिका अदा करेगी जिसके निर्माता रणवीर गहलोत होंगे।

मुंबई प्रतिनिधी रमाकांत मुंडे

मानवीय संवेदनाओं को उजागर करती शार्ट फिल्म 'वांछा-द ब्लैक डिजायर' का फर्स्ट लुक जारी

मिली फिल्म्स एंड टी वी इंटरनेशनल के बैनर तले बनी शार्ट फिल्म 'वांछा-द ब्लैक डिजायर' का फर्स्ट लुक इटखोरी, चतरा (झारखंड) स्थित माँ भद्रकाली मंदिर परिसर में आयोजित एक भव्य समारोह में जारी किया गया। यह शार्ट फ़िल्म आधुनिक संदर्भ में सामाजिक समस्याओं पर जन-जागृति पैदा करते हुए अंधविश्वास और कुरीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करती है।मानवीय संवेदनाओं को उजागर करती इस फिल्म के निर्माता मनोज कुमार, कार्यकारी निर्माता शंकर पाठक, डीओपी सुमित सचदेवा, एडिटर

सुमित सिन्हा 'गोलू', प्रोडक्शन कंट्रोलर मनोज वर्मा, प्रोडक्शन मैनेजर प्रभात कुमार, गीतकार प्रशांत गैलवर, संगीतकार श्रीकांत जयकांत, प्रचारक काली दास पाण्डेय, मेकअप आर्टिस्ट प्रियंका, स्टील फोटोग्राफर मोहम्मद अरमान और प्रोडक्शन एक्सक्यूटिव कुमारी मिली हैं।झारखंड के चर्चित फिल्म लेखक निर्देशक प्रशांत गैलवर के निर्देशन में बनी इस फिल्म के मुख्य कलाकार मनोज सहाय, शेखर वत्स, शंकर पाठक, विक्रम नांगिया,बिनय सिंह, शालिनी सिंह राठौड़, पम्मी सिंह राजपूत,सुरेंद्र सिन्हा, राजू चंद्रा, मास्टर शिवांश साहू और प्रिंस आदि हैं।प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

राष्ट्रपति बोलीं- ऐसी तकनीक खोजें जो गरीबों को न्याय दिलाने में हों मददगार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि युवा वकील ऐसी तकनीक खोजें जो गरीबों को न्याय दिलाने में मददगार हो। ऐसी व्यवस्था बनाने कि जरूरत है कि देश में सभी को मुफ्त में न्याय मिल सके। उन्होंने कहा, गुवाहाटी हाईकोर्ट ने प्रथागत कानूनों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे सामाजिक और आर्थिक न्याय प्राप्त करने में मदद मिली है।गुवाहाटी उच्च न्यायालय के प्लेटिनम जयंती समारोह में, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रतिष्ठित दिग्गजों के साथ अदालत की उपलब्धियों और इसकी विशिष्ट पहचान की प्रशंसा की। उन्होंने जातीय विविधता, पहाड़ी क्षेत्रों के लिए स्वदेशी लोगों और विवादों के लिए प्रथागत प्रथाओं के महत्व पर

बल देते हुए कहा कि वे न केवल समीचीन हैं बल्कि स्वदेशी लोगों की भावनाओं को बढ़ाने के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। स्थापना के बाद, गुवाहाटी उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में पूर्वोत्तर क्षेत्र के 7 राज्य शामिल थे।राष्ट्रपति मुर्मू ने पारिस्थितिक न्याय के प्रति संवेदनशीलता और न्याय के लिए समावेशी और सभी के लिए सुलभ होने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, न्याय प्राप्त करने में कई समस्याएं और बाधाएं मौजूद हैं, जिनमें से एक प्राथमिक कारण खर्च की गई लागत है। एक स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रणाली के लिए प्रयास किए जाने चाहिए। राष्ट्रपति ने युवा वकीलों से तकनीकी समाधान खोजने का भी आग्रह किया जो गरीब लोगों को न्याय दिलाने में मदद करे। इस मौके पर राष्ट्रपति ने सभी को रोंगाली बिहू की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति मुर्मु शुक्रवार दोपहर 'माउंट कंचनजंगा अभियान-2023' को हरी झंडी भी दिखाई।राष्ट्रपति ने भारत सरकार द्वारा प्रायोजित प्रोजेक्ट एलिफेंट के तीस वर्ष पूरे होने पर गजोत्सव-2023 का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, अगर गहराई से विचार किया जाए तो, यह स्पष्ट होता है कि जो कार्य प्रकृति और पशु-पक्षियों के लिए हितकारी है, वह मानवता के भी हित में है। हाथियों का संरक्षण से सभी देशवासियों को लाभ होगा। साथ ही क्लाइमेट की चुनौतियों का सामना करने में भी सहायक सिद्ध होंगे। ऐसे प्रयासों में सरकार के साथ-साथ समाज की भी भागीदारी है। प्रकृति और मानवता के बीच एक बहुत पवित्र रिश्ता है। यह रिश्ता ग्रामीणों और आदिवासी समाज में आज भी दिखाई देती है। हाथियों की सुक्षा करना, उनके प्राकृतिक आवास को बनाए रखना और एलिफेंट कॉरिडोर को बाधा रहित रखना इस प्रोजेक्ट के मुख्य उद्देश्य हैं। साथ ही मानव और हाथी के बीच संघर्ष से जुड़ी समस्याओं का समाधान करना इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य भी है और चुनौती भी है। ये सभी उद्देश्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। उन्होंने हाथियों के संरक्षण के लिए बनी डाक्यूमेंट्री फिल्म का भी जिक्र किया। राष्ट्रपति शनिवार को तेजपुर का दौरा करेंगी और अपनी यात्रा समाप्त करने से पहले सुखोई-30 विमान में उड़ान भरेंगी।

माफिया अतीक अहमद और उसके बेटे पर कसेगा शिकंजा, अपहरण और रंगदारी के एक और मामले में आरोप तय

लखनऊ के कारोबारी मोहित जायसवाल का देवरिया जेल ले जाकर अपहरण और रंगदारी मामले में माफ़िया अतीक और उसके बेटे उमर पर आरोप तय हो गए हैं। उमर पर संगीन धाराओं में आरोप तय किए गए हैं। इस पर अभी अतीक और उसके बेटे की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। अतीक की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई। कोर्ट में पेशी के दौरान अतीक के बेटे ने कहा कि उनके घर की महिलाओं को फंसाया जा रहा है। ग़ौरतलब है कि 28 दिसंबर

2018 को कारोबारी मोहित जायसवाल ने कृष्णा नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि देवरिया जेल में बंद अतीक अहमद ने गुर्गों के जरिये गोमती नगर स्थित ऑफिस से उसका अपहरण करवाया था। इसके बाद अतीक ने जेल में उसके साथ मारपीट की तथा सादे पन्ने पर दस्तखत करने को कहा था। इनकार पर अतीक, उसके बेटे उमर तथा गुफरान, फारुख, गुलाम व इरफान ने तमंचे-रॉड और पट्टे से उसे पीटा था। इसके बाद जबरन स्टांप पेपर पर हस्ताक्षर बनवाकर 45 करोड़ की संपत्ति अपने नाम करा ली थी।अतीक पर दर्ज हो चुके हैं 101 मुकदमेअतीक के खिलाफ कुल 101 मुकदमे दर्ज हुए।

SPORTS खेल जगत

श्रीनिधि डेक्कन के खिलाफ सुपरकप में बेंगलुरु एफसी का पलड़ा भारी

कोझिकोड। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की उपविजेता बेंगलुरु एफसी की टीम शनिवार को सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबले में जब आई-लीग टीम श्रीनिधि डेक्कन के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी कोशिश अपने लय को जारी रखने की होगी। करिश्माई खिलाड़ी सुनील छेत्री की अगुवाई वाली इस टीम को आईएसएल फाइनल में एटीके मोहन बागान से हार का सामना करना पड़ा था।

प्रशिक्षु खिलाड़ियों से अश्लील बातें करने वाला क्रिकेट कोच गिरफ्तार

देहरादून। प्रशिक्षु खिलाडियो से कथित रूप से आपत्तिजनक बाते करने वाले क्रिकेट प्रशिक्षक नरेंद्र शाह को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की जांच कर रहे पुलिस क्षेत्राधिकारी पंकज गैरोला ने बताया कि शाह को एम्स ऋषिकेश से छुट्टी दिए जाने के तत्काल बाद बृहस्पतिवार रात गिरफ्तार कर लिया गया। प्रशिक्षु खिलाड़ियो से कथित आपत्तिजनक बाते करने का ऑडियो प्रसारित होने के बाद शाह ने जहर खाकर कथित रूप से आत्महत्या का प्रयास किया था जिसके बाद से वह अस्पताल मे भर्ती था।

बांग्लादेश ने आयरलैंड से टेस्ट सात विकेट से जीता

मीरपुर। अनुभवी मुशफिकर रहीम की शानदार बल्लेबाजी से बांग्लादेश ने शुक्रवार को यहां आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच मे चौथे दिन लंच के कुछ देर बाद ही सात विकेट से जीत हासिल की। आयरलैंड ने पहली पारी मे 214 रन बनाए जिसके जवाब मे बांग्लादेश ने 369 रन बनाकर मजबूत बढ़त हासिल की। आयरलैंड ने अपनी दूसरी पारी मे 292 रन बनाए और इस तरह से बांग्लादेश के सामने 138 रन का लक्ष्य रखा।

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम में नए सहयोगी सदस्यों की नियुक्ति

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के जाने-माने कोच एंथनी पेरी को भारतीय महिला हॉकी टीम का विश्लेषणात्मक कोच नियुक्त किया गया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका के रेट हल्केट पुरुष टीम के साथ यह भूमिका निभाएंगे। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को घोषणा की। राष्ट्रीय महासंघ ने दोनो टीमो के लिए अन्य सहायक स्टाफ सदस्यो की भी घोषणा की। पेरी की देखरेख मे कनाडा की पुरुष टीम ने 2016 रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था।

वुड्स की ऑगस्टा मास्टर्स में निराशाजनक शुरुआत

ऑगस्टा। दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स ने ऑगस्टा मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर मे 74 का कार्ड खेलकर निराशाजनक शुरुआत की जबकि जॉन रहम सहित तीन खिलाड़ियो ने पहले दौर मे संयुक्त बढ़त बनाई। वुड्स का मास्टर्स मे 2005 के बाद यह सबसे खराब प्रदर्शन है। उन्होने तब अगले तीन दौर मे 65-66-71 का स्कोर बनाकर अच्छी वापसी की थी लेकिन उनका हालिया रिकॉर्ड बताता है कि उनके लिए इस बार वापसी करना मुश्किल होगा।

कप्तान पुजारा ने ससेक्स के लिए शतक जड़ा

होव। भारत के सीनियर बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने काउंटी चैम्पियनशिप डिविजन टू मे डरहम के खिलाफ ससेक्स के लिए शतक जड़ा। इस सत्र मे ससेक्स के कप्तान पुजारा ने 134 गेंद मे सैकड़ा जड़ा। एक समय पर स्कोर दो विकेट पर 44 रन था लेकिन पुजारा ने 163 गेंद मे 115 रन बनाए और टॉम क्लार्क के साथ 112 रन की साझेदारी की। ससेक्स ने डरहम को 376 रन पर आउट कर दिया था।

आमने-सामने होंगे धोनी व रोहित

● मुंबई इंडियंस व चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मैच आज

रोहित शर्मा की अगुवाई में मुंबई इंडियंस की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में जब अपने घरेलू मैदान पर चिर प्रतिद्वंद्वी चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसके सामने सत्र के शुरुआती मुकाबले में मिली हार को पीछे छोड़ने की चुनौती होगी। मुंबई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने रविवार को आठ विकेट की करारी शिकस्त दी थी। टीम लगभग एक सप्ताह के विश्राम के बाद तरोताजा महसूस कर रही होगी लेकिन चह अपने घरेलू मैदान पर जुनूनी प्रशंसकों के सामने धोनी के धुरंधरों का सामना करने को लेकर अतिरिक्त दबाव में होगी। धोनी ने हालांकि पिछले मैचों में नो बॉल से परेशान होकर टीम के गेंदबाजों को चेतावनी दी जिससे राजवर्धन हैंगरगेकर और तुषार देशपांडे जैसे युवा दबाव में होंगे और दोनों को वानखेड़े मैदान की बल्लेबाजों की मददगार पिच पर चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। पांच बार की चैम्पियन मुंबई के खिलाफ मैच में चेन्नई की जीत इस बात पर भी निर्भर करेगी कि मोईन अली और मिशेल सेंटनर जैसे स्पिनर कितने प्रभावी रहते हैं। टीम हालांकि अंतिम एकादश में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज सिसंडा मगाला को जगह देने पर विचार कर सकती है जो सटीक यॉर्कर डालने के लिए जाने जाते हैं। अंतिम एकादश में उनके आने से सेंटनर को बाहर बैठना पड़ सकता है। मुंबई के कप्तान रोहित पर लोगों का ज्यादा ध्यान होगा। वह पिछले सत्र में बल्ले से करिश्मा करने में विफल रहे थे। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ तेज शुरुआत की थी लेकिन अपनी पारी को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे। इस मैदान की सीमा रेखा छोटी है और ऐसे में अनुभवी जोफ्रा आर्चर, अरशद खान, कैमरून ग्रीन जैसे गेंदबाजों को ऋतुराज गायकवाड़ या डेवोन कॉनवे की चेन्नई की सलामी जोड़ी को रोकना चुनौतीपूर्ण होगा। जसप्रीत बुमराह और झाय रिचर्डसन के सत्र से बाहर होने के बाद टीम में संदीप वॉरियर और रिले मेरेडिथ जुड़े हैं और मुंबई को इन गेंदबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वानखेड़े की पिच पर शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को मदद मिल सकती है लेकिन चेन्नई के पास कम अनुभव वाले तेज गेंदबाज है। ऐसे में मुंबई इंडियंस की टीम इसका फायदा उठाना चाहेगी। आरसीबी के खिलाफ युवा तिलक वर्मा ने मुंबई की पारी को संभाला था जिसमें उन्हें पदार्पण करने वाले पंजाब के नेहाल वढेरा का साथ मिला था।

मोईन ने प्रतिद्वंद्विता की तुलना मैनचेस्टर यूनाइटेड बनाम लिवरपूल से की

मुंबई। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के हरफनमौला खिलाड़ी मोईन अली ने शुक्रवार को अपनी टीम और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब रिकॉर्ड पांच बार जीतने वाली मुंबई इंडियंस के बीच कही प्रतिस्पर्धा की तुलना मैनचेस्टर यूनाइटेड और लिवरपूल की फुटबॉल प्रतिद्वंद्विता से की। मुंबई इंडियंस आईपीएल इतिहास की सबसे सफल टीम जबकि चेन्नई सुपरकिंग्स चार खिताब के साथ दूसरे नंबर पर है। साल 2022 मे आईपीएल की बड़ी नीलामी के बाद बाद से दोनो टीमे संघर्ष कर रही है। मुंबई और चेन्नई की आईपीएल प्रतिद्वंद्विता को आईपीएल की एल क्लासिको के नाम से जाना जाता है।

सीएसके के खिलाफ एकजुट होकर बल्लेबाजी करें खिलाड़ी : पोलार्ड

इंडियनप्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरूआती मैच में शीर्ष क्रम के विफल होने के बाद मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड को शनिवार को यहां चिर प्रतिद्वंद्वी चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में बल्लेबाजों के एकजुट होकर प्रदर्शन करने की उम्मीद है। पोलार्ड की मैच की पूर्व संध्या पर कहा, मेरा मानना है कि सभी बल्लेबाजों को एकजुट होकर बल्लेबाजी करनी होगी। क्रिकेट 11 खिलाड़ियों के साथ खेला जाता है और फिर टूर्नामेंट अभी शुरू ही हुआ है इसलिए हर कोई जीत से शुरूआत करने की कोशिश कर रहा है। हां, हमने बल्लेबाजी इकाई के तौर पर अच्छी शुरूआत नहीं की है लेकिन अंत में हम बेंगलोर में सम्मानजनक स्कोर बनाने में सफल रहे।

केकेआर के स्पिनरों के खिलाफ हमारे बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने से बचना चाहिए थाः बांगर

कोलकाता। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के बल्लेबाजी कोच संजय बांगर का मानना है कि विराट कोहली और कप्तान फाफ डु प्लेसिस जैसे अनुभवी बल्लेबाज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्पिनरों के खिलाफ 205 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए कुछ संयम बरत सकते थे। लक्ष्य का पीछा करते समय मैच के पांचवें ओवर में सुनील नारायण ने कोहली को बोल्ड कर डु प्लेसिस के साथ शुरुआती विकेट के लिए उनकी 44 रन की साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद वरुण चक्रवर्ती ने डु प्लेसिस को बोल्ड कर बेंगलोर की टीम को बैकफुट पर धकेल दिया। बांगर ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे लगा कि हमारे कुछ बल्लेबाज बड़े शॉट खेलने से बच सकते थे।

वेन पार्नेल, वी. विजय कुमार ने आरसीबी टीम में रीसे टॉपले और रजत पाटीदार की जगह ली

नई दिल्ली। चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने शुक्रवार को वेन पार्नेल और वी. विजय कुमार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बचे हुए सत्र के लिए चोटिल रीस टॉपले और रजत पाटीदार के स्थान पर टीम में शामिल किया। बीसीसीआई ने शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। टॉप्ले को मुंबई इंडियंस के खिलाफ आरसीबी के शुरुआती मैच के दौरान क्षेत्ररक्षण के दौरान कंधे में चोट लग गई थी। पाटीदार एड़ी की चोट के कारण आरसीबी के पहले मैच में नहीं खेले थे। वह अभी तक ठीक नहीं हुए हैं और टूर्नामेंट के 16वें सत्र से बाहर हो गए हैं।

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बेहतर बल्लेबाजी करना चाहेगा दिल्ली कैपिटल्स

गुवाहाटी। बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण पहले दो मैचों में हार का सामना करने वाले दिल्ली कैपिटल्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अगर जीत का खाता खोलना है तो उसे राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले मैच में बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। पहले दो मैचों में मार्क वुड और अलजारी जोसेफ जैसे गेंदबाजों ने पृथ्वी साव और सरफराज खान जैसे दिल्ली के बल्लेबाजों को दहशत में डाल दिया था। इन प्रतिभाशाली बल्लेबाजों का आत्मविश्वास अभी डिगा हुआ है और ऐसे में उनके लिए ट्रेंट बोल्ट, केएम आसिफ और जेसन होल्डर जैसे गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं होगा। इसके अलावा राजस्थान के पास रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल जैसे स्पिनर है जो बारसपारा स्टेडियम की बल्लेबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों में भी विरोधी टीम को परेशानी में डाल सकते हैं। आक्रामक सलामी बल्लेबाज जोस बटलर का इस मैच में खेलना संदिग्ध है जो दिल्ली के लिए अच्छी खबर हो सकती है। बटलर पिछले मैच में कैच लेते समय चोटिल हो गए थे और उनके बाएं हाथ की छोटी उंगली में टांके लगे हैं। यदि बटलर नहीं खेल पाते हैं तो जो रूट हो उनके स्थान पर अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है।

● आज मुकाबले में होंगे आमने-सामने

पिता की बीमारी, दिल्ली क्रिकेट राजनीति से जूझते हुए आईपीएल में चमके युवा सुयश

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ बीती रात जीत में प्रभावित करने वाले कोलकाता नाइट राइडर्स के इम्पैक्ट प्लेयर सूयश शर्मा का क्रिकेट के भ्रष्ट माहौल में कोई गॉडफादर नहीं है और दिल्ली के मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाले इस लेग स्पिनर ने अभी तक अपनी काबिलियत के बूते सफलता हासिल की है। पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा इलाके के 19 वर्षीय सूयश ने कोलकाता की टीम की ओर से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पदार्पण करते हुए 30 रन देकर तीन विकेट झटके जिससे टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को 81 रन से पराजित करने में कामयाब रही। मध्यम वर्ग के परिवार की अपनी ही समस्याएं होती हैं और फिर उनके पिता भी कैंसर जैसी बीमारी से जूझ रहे हैं, लेकिन उन्होंने गॉडफादर के नहीं होने, तमाम परेशानियों और तनाव के बावजूद क्रिकेट की चुनौतियों से निपटना जारी रखा। सूयश ने बीती रात आईपीएल मैच में अपनी लेग ब्रेक और गुगली से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के दो विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक और अनुज रावत के अलावा आल राउंडर कर्ण शर्मा के विकेट झटके। दिल्ली के कोच रणधीर सिंह ने पीटीआई से कहा, सूयश के लिए यह यात्रा आसान नहीं रही है। वह दिल्ली के पूर्व स्पिनर सुरेश बत्रा का शिष्य था और उनके क्लब के लिए खेलता था। कोविड-19 के कारण हमने सुरेश जी को गंवा दिया और फिर वह (सूयश) मेरे पास आया क्योंकि वह मैच अभ्यास चाहता था। मैंने डीडीसीए (दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ) लीग में अपने मद्रास क्लब में और ओपन टूर्नामेंट में रन-स्टार क्लब में खेलने का मौका दिया।

सुयश सामान्य लेग ब्रेक गेंदबाज लेकिन उसकी अपनी विशिष्टता हैः राणा

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान नितीश राणा युवा सुयश शर्मा को रहस्यमई स्पिनर नही मानते और उन्होने कहा कि वह सामान्य लेग ब्रेक गेंदबाज है जिनकी अपनी विशिष्टता है। दिल्ली के अंडर 25 स्पिनर सुयश ने अभी तक केवल आयु वर्ग के टूर्नामेंट खेले है। उन्होने गुरुवार को सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती के साथ मिलकर केकेआर को रॉयल चैलेंजर्स बैगलोर के खिलाफ आसान जीत दिलाई थी।

सुर्यकुमार भारत को जिता सकता है विश्व कप : पोंटिंग

आस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग का मानना है कि सूर्यकुमार यादव में भारत को विश्व कप जिताने की क्षमता है और खराब फॉर्म के बावजूद चयनकर्ताओं को उसे टीम में रखना चाहिए। सूर्यकुमार टी20 क्रिकेट का अपना फॉर्म 50 ओवरों के क्रिकेट में दोहरा नहीं सके हैं। वह आस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार तीन मैचों में खाता खोले बिना आउट हुए। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा , दुनिया में सभी को पता है कि सूर्यकुमार क्या कर सकता है। पिछले एक डेढ साल में उसने शानदार प्रदर्शन किया है। मेरा मानना है कि भारत को उस पर भरोसा करना चाहिए क्योंकि वह ऐसा खिलाड़ी है जो आपको विश्व कप दिला सकता है। वह लगातार अच्छा नहीं खेल पा रहा है लेकिन वह बड़े मैचों का खिलाड़ी है। जैसे आस्ट्रेलिया के लिए एंड्रयू साइमंड्स था।

रामकुमार सहित चार खिलाड़ी सेमीफाइनल में

भारतीय खिलाड़ियों ने शुक्रवार को यहां बी आर आदित्यन मेमोरियल आईटीएफ फ्यूचर्स टेनिस टूर्नामेंट में दबदबा बनाते हुए एकल स्पर्धा के सभी चारों सेमीफाइनल स्थान पक्के किए। युगल फाइनल भी भारतीय खिलाड़ियों के बीच होगा। इसमें विष्णु वर्धन ओर नितिन कुमार सिन्हा की जोड़ी का सामना साई कार्तिक रेड्डी और टी मार्चेला से होगा। दूसरे वरीय भारतीय खिलाड़ी रामनाथन कुमार ने हमवतन निखिल पूनाचा पर 6-3, 6-4 की जीत से सेमीफाइनल में प्रवेश किया जिसमें उनका सामना हमवतन सिद्धार्थ रावत से होगा। यूक्रेन के शीर्ष वरीय उलादिस्लाव ओरलोव रिटायर्ड हर्ट होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। वह दूसरे वरीय तमिलनाडु के खिलाड़ी मनीष सुरेशकुमार के खिलाफ 4-6, 2-4 से पिछड़ रहे थे रावत ने डेविड पेरेज को 7-5, 7-6 से शिकस्त देकर अंतिम चार में जगह बनाई। तीसरे वरीय दिग्विजय प्रताप सिंह ने क्वार्टरफाइनल में पांचवें वरीय फ्लोरेंट बाक्स को 6-3, 6-2 से हराया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त पेगुला ओपन के क्वर्टर फाइनल में

चार्ल्सटन (अमेरिका)। शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने लगातार 10 गेम गंवाए और अंतिम सेट मे एक समय वह 0-4 से पीछे चल रही थी लेकिन इसके बाद उन्होने जबरदस्त वापसी करके चार्ल्सटन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मे प्रवेश किया। विश्व मे तीसरे नंबर की अमेरिकी खिलाड़ी पेगुला ने 15वी वरीयता प्राप्त इरिना कैमिलिया बेगु को तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले मे 7-5, 4-6 , 6-4 से हराया। पेगुला को अगर क्वार्टर फाइनल मे 12वी वरीयता प्राप्त पाउला बडोसा को हराकर अंतिम चार मे जगह बनानी है तो उन्हे अपने खेल मे निरंतरता दिखानी होगी। बडोसा ने एक अन्य मैच मे डायना स्नायडर पर 6-3, 6-1 से जीत दर्ज की। दूसरी वरीयता प्राप्त ओन्स जाबेर, तीसरी वरीय डारिया कसातकिना और मौजूदा चैपियन बेलिंडा बेनसिच भी क्वार्टर फाइनल मे पहुंचने मे सफल रहे। जाबेर ने कारोलिन डोलहाइड को 6-3, 7-5 से, कसातकिना ने बर्नार्डा पेरा को 6-3, 7-6 (3) से और बेनसिच ने शेल्बी रोजर्स को 4-6, 7-5, 6-2 से हराया।

बीसीसीआई शीर्ष परिषद की बैठक में घरेलू सत्र के मीडिया अधिकारों, महिला टीम के कोच पर होगी बात

नई दिल्ली। बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की रविवार को होने वाली बैठक में घरेलू द्विपक्षीय क्रिकेट के मीडिया अधिकारों और महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच की नियुक्ति पर बात की जाएगी। आईपीएल मीडिया अधिकार 48390 रूपए में बिकने के बाद बीसीसीआई को 2023 . 2027 चक्र के घरेलू सत्र के लिए काफी उम्मीद है। वायकॉम के मैदान में आने के बाद मुकाबला उसके, स्टार और सोनी के बीच होगा। बीसीसीआई को आईपीएल के प्रसारण और डिजिटल अधिकार अलग बेचने से काफी फायदा हुआ है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका में टी20 विश्व कप मुख्य कोच के बिना खेला था। बल्लेबाजी कोच रिषिकेश कानिटकर ने मुख्य कोच का पद संभाला था। बीसीसीआई जल्दी ही मुख्य कोच समेत सहयोगी स्टाफ की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करेगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने असम पर्वतारोहण संघ के कंचनजंघा अभियान को झंडा दिखाकर रवाना किया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को असम पर्वतारोहण संघ की टीम के नेतृत्वकर्ता को राष्ट्रीय ध्वज और बर्फ पर चढ़ने के लिए इस्तेमाल होने वाली कुल्हाड़ी (आईस एक्स बेटन) सौंपकर माउंट कंचनजंघा अभियान 2023 को हरी झंडी दी। असम दौरे के दूसरे दिन राष्ट्रपति ने मानस बरूआ की अगुआई वाली सात सदस्यीय टीम को शुभकामनाएं दी जो दुनिया के तीसरे सबसे ऊंचे पर्वत की चढ़ाई का प्रयास करेगी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि यह अभियान सफल रहेगा और भविष्य में कई पर्वतारोहियों को ऊंचे पर्वतों पर चढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

इंग्लैंड ने ब्राजील को हराकर पहला महिला फाइनलिसिमा का खिताब जीता

लंदन। इंग्लैंड ने क्लो केली के गोल के दम पर ब्राजील को यहां पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से पराजित करके पहला महिला फाइनलिसिमा फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब जीता। यह मुकाबला यूरोप और दक्षिण अमेरिका की चैंपियन टीमों के बीच खेला जाता है। वेम्बले में खेले गए इस फाइनल मैच को देखने के लिए 83,132 दर्शक स्टेडियम में पहुंचे थे। इलिया टूने के 23वें मिनट में किए गए गोल से इंग्लैंड की जीत सुनिश्चित लग रही थी लेकिन ब्राजील ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के तीसरे मिनट में बराबरी का गोल दाग दिया। ब्राजील की एंड्रेसा अल्वेस ने इंग्लैंड की गोलकीपर मैरी एर्प्स की गलती का फायदा उठाते हुए स्कोर।-। से बराबर कर दिया। इसके बाद मैच पेनल्टी शूटआउट तक खिंच गया जिसमें इंग्लैंड की तरफ से जॉर्जिया स्टैनवे, राचेल डेली, एलेक्स ग्रीनवुड और केली ने गोल करके जीत सुनिश्चित की। दोनों टीम ने मैच शुरू होने से पहले पेले को श्रद्धांजलि अर्पित की जिनका पिछले साल दिसंबर में निधन हो गया था।

देश परदेश

चीन ने अमेरिकी और एशियाई संस्थानों पर लगाया प्रतिबंध

● ताइवानी राष्ट्रपति के अमेरिका दौरे के विरोध में लिया फैसला

चीन ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर केविन मैक्कार्थी और ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन के बीच इस सप्ताह हुई अहम बैठक के विरोध में रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी और अन्य अमेरिकी एवं एशिया आधारित संस्थानों पर प्रतिबंध लगाया है। एक दिन पहले चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा कि यह एक खयाली पुलाव है कि बीजिंग ताइवान को लेकर अपने रुख में समझौता करेगा। चीन के कड़े विरोध के बावजूद मैक्कार्थी के साथ साई की बैठक बृहस्पतिवार को हुई। कैलिफोर्निया की सिमि वैली में रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी उच्च-स्तरीय बैठक का स्थल है। मैक्कार्थी ने इस सप्ताह ताइवान की राष्ट्रपति साई के साथ बातचीत को लेकर यहां द्विदलीय बैठक की मेजबानी की थी। ताइवान की राष्ट्रपति और अमेरिकी अधिकारियों के बीच यह दूसरी उच्च स्तरीय बैठक थी। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका-चीन संबंध ऐतिहासिक निम्न स्तर पर पहुंच गया है तथा ताइवान एवं चीन के बीच तनाव बढ़ गया है। चीन अन्य देशों की सरकारों और ताइवान के बीच किसी भी आधिकारिक संवाद को ताइपे के वैश्विक दर्जे को ऊंचा उठाने के प्रयास के रूप में देखता है, इसलिए वह इस तरह के प्रयासों को ताइवान पर अपनी संप्रभुता के दावों का उल्लंघन मानता है। चीन ने हडसन इंस्टीट्यूट पर भी पाबंदी लगा दी है जिसने एक कार्यक्रम की मेजबानी की थी और 30 मार्च को साई को वैश्विक नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया था। प्रतिबंधित समूहों में ताइवान की स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में उनकी भागीदारी के लिए एशिया-आधारित समूह- द प्रॉस्पेक्ट फाउंडेशन और काउंसिल ऑफ एशियन लिबरल्स एंड डेमोक्रेट्स शामिल हैं। चीन के राष्ट्रपति शी ने बृहस्पतिवार को बीजिंग में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वोन डेर लेएन के साथ बैठक में कहा, ताइवान का मुद्दा चीन के मूल हितों के केंद्र में है। चीन की सरकार और चीनी लोग कभी भी एक-चीन नीति के मुद्दे पर शोर शराबा करने वालों की राय से सहमत नहीं होंगे।

नाइजीरिया के एक गांव में बंदूकधारियों के हमलों में कम से कम 50 लोगों मौत

उत्तरी-मध्य नाइजीरिया के एक गांव में बंदूकधारियों ने दो हमलों में कम से कम 50 लोगों की हत्या कर दी। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ओटुक्पो की स्थानीय सरकार के प्रमुख रूबेन बाको ने बताया कि बेन्यू राज्य के उमोगिदी गांव में बुधवार को बंदूकधारियों ने 47 लोगों की हत्या कर दी। एक दिन पहले इसी जगह पर तीन अन्य लोगों की हत्या कर दी गई थी। बेन्यू राज्य पुलिस और एनेनी सेवुइस ने हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि हमलावरों ने एक बाजार में आग लगा दी थी। हालांकि, सेवुइस ने बताया कि हमले में एक पुलिस अधिकारी सहित आठ लोग मारे गए। हमले का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है। हालांकि दोनों हमलों के एक-दूसरे से जुड़े होने की आशंका है।

औपनिवेशिक फाइल से खुले ब्रिटिश शाही खजाने में भेजे गए भारतीय रत्न-जवाहरात के राज

भारतीय उपमहाद्वीप पर शासन में सहायक ब्रिटिश सरकार के तत्कालीन विभाग इंडिया ऑफिस के अभिलेखागार से औपनिवेशिक युग की एक फाइल से यह बात सामने आई है कि कई कीमती रत्न और जवाहरात भारत से ब्रिटिश शाही खजाने में भेजे गए थे। कॉस्ट ऑफ द क्राउन श्रृंखला के हिस्से के रूप में द गार्डियन अखबार अगले महीने महाराजा चार्ल्स तृतीय की ताजपोशी से पहले ब्रिटिश शाही परिवार की संपत्ति और वित्त की जांच कर रहा है। अखबार ने इस सप्ताह एक रिपोर्ट में इंडिया ऑफिस के अभिलेखागार की 46 पन्नों की फाइल का हवाला दिया है। इसमें एक पड़ताल का विवरण है, जिसमें महारानी मैरी (दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की दादी) द्वारा उनके शाही गहनों के स्त्रोत का जिक्र किया गया है। इसके संदर्भों में,

पंजाब के तत्कालीन महाराजा रणजीत सिंह के अस्तबल में घोड़ों को सजाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक पन्ना जड़ी सोने की बेल्ट है, जो अब महाराजा चाल्स के शाही संग्रह का हिस्सा है। अखबार की पड़ताल में खुलासा किया गया है , 1912 की रिपोर्ट बताती है कि कैसे चार्ल्स के शाही संग्रह में शामिल बेल्ट सहित अनमोल रत्न जीत की वस्तु के रूप में भारत से लाए गए और बाद में महारानी विक्टोरिया को दिए गए। इसमें कहा गया, वर्णित वस्तुएं अब ब्रिटिश शाही घराने की संपत्ति के रूप में महाराजा के स्वामित्व में हैं। बाद में, 19वीं सदी के दौरान रणजीत सिंह के बेटे दिलीप सिंह को पंजाब को ईस्ट इंडिया कंपनी को सौंपने के लिए मजबूर किया गया था। समझा जाता है कि कोहिनूर हीरा ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारियों द्वारा इसी तरह की लूट-खसोट के परिणामस्वरूप महारानी विक्टोरिया के कब्जे में आ गया था। उल्लेखनीय है कि राजनयिक विवाद से बचने के लिए छह मई को होने वाली महारानी कैमिला की ताजपोशी के दौरान कोहिनूर हीरा जड़ित ताज का उपयोग नहीं करने का फैसला किया गया है। शाही खजाने में एक अन्य ऐतिहासिक भारतीय वस्तु मोती का हार है, जिसमें 224 बड़े मोती जड़े हैं। इसके बारे में भी माना जाता है कि यह रणजीत सिंह के खजाने से लाया गया था।

प्रियंका चोपड़ा

अब जॉन सीना संग करेंगी एक्शन

भले ही कुछ समय से बॉलीवुड इंडस्ट्री से गायब हैं, लेकिन एक्ट्रेस हॉलीवुड सिनेमा में अपने टैलेंट का परचम लहराती बखूबी नजर आ रही हैं। देसी गर्ल को जल्द ही रूसो ब्रदर्स की वेब सीरीज सिटाडेल में देखा जाना है, जिसका एक्ट्रेस भारत में भी धुआंदार प्रमोशन कर रही हैं। वहीं, अब पीसी के फैंस के लिए एक और बड़ी खुशखबरी सामने आई है। प्रियंका ने डब्लूडब्लूई चैंपियन जॉन सीना के साथ बड़ा प्रोजेक्ट साइन कर लिया है।

प्रियंका चोपड़ा ने अपने नए प्रोजेक्ट का एलान करने के लिए सोशल मीडिया पोस्ट का सहारा लिया है। एक्ट्रेस एक आर्टिकल की तस्वीर साझा कर बताती नजर आई हैं कि वह अब जॉन सीना और इद्रिस एल्बा संग काम करने जा रही हैं। यह प्रोजेक्ट एक फिल्म है, जिसका नाम हेड्स ऑफ स्टेट है। रिपोर्ट की मानें तो यह हॉलीवुड मूवी इसी साल के मई महीने में फ्लोर पर आएगी। एक्ट्रेस का यह पोस्ट देख उनके फैंस फूले नहीं समा रहे हैं। साथ ही डीवा को दिल खोलकर बधाइयां भी दे रहे हैं।

प्रियंका के एलान से फैंस गदगद

प्रियंका चोपड़ा ने आर्टिकल के स्क्रीनशॉट को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, अगले पर। साथ ही पीसी ने जॉन सीना और इद्रिस एल्बा को टैग करते हुए लेट्स गो लिखा है। एक्ट्रेस की इस अनाउंसमेंट से फैंस कितने खुश हैं इस बात का अंदाजा पोस्ट पर आ रहे लाइक्स से लगाया जा सकता है। प्रियंका के पोस्ट को चंद घंटों के अंदर लाखों लाइक्स मिल चुके हैं, साथ ही यह आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है।

बता दें कि प्रियंका चोपड़ा फिलहाल अपनी अपकमिंग वेब सीरीज सिटाडेल के प्रमोशन में व्यस्त हैं। एक्ट्रेस इसके लिए भारत आई हैं, साथ ही जी-जान लगाकर इवेंट में इसको शानदार तरीके से प्रमोट करती नजर आ रही हैं। रुसो ब्रदर्स की सीरीज सिटाडेल के प्रीमियर में प्रियंका के साथ उनके को-स्टार रिचर्ड मैडेन भी पहुंचे थे। बता दें कि अमेजन स्टूडियो की यह सीरीज झूठ, धोखेबाजी, रोमांच और रहस्य के साथ एक लव स्टोरी है। इसकी स्ट्रीमिंग 28 अप्रैल, 2023 से होगी।

प्रभास करने आ रहे डबल धमाल

प्रभास ने अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर नई अपडेट दी है, जिसे सुनते ही आप भी खुश हो जाएंगे। कुछ समय पहले ही सुपरस्टार प्रभास की फिल्म आदिपुरुष की रिलीज डेट सामने आई थी। जिसकी रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। और अब एक और बड़ी खुशखबरी प्रभास के फैंस के लिए सामने आई है। जी हां, अभिनेता प्रभास की फिल्म सालार की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर सालार नाम के ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट ने अपने अकाउंट से यह वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें प्रभास इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट की जानकारी दी गई। बताया गया कि प्रभास की फिल्म सालार 28 सितंबर, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

वीडियो को पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा है, सबसे ज्यादा वायलेंट शख्स जल्द ही 28 सितंबर, 2023 को आपके होश उड़ाने के लिए पूरे पैकेज के साथ आ रहा है। फिल्म की रिलीज डेट सामने आते ही प्रभास के फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। फिल्म में लीड रोल प्रभास निभा रहे हैं और उनके अपोजिट श्रुति हासन नजर आएंगी। बता दें कि कुछ दिन पहले ही एक्टर प्रभास के फैंस को एक खुशखबरी मिली थी की प्रशांत नील के साथ प्रभास की अपकमिंग फिल्म सालार के ओवरसीज राइट्स सबसे ज्यादा कीमत में बिके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पता चला था की फिल्म सलार के राइट्स को करोड़ों में बेचा गए है, जो कि ऑस्कर अवॉर्ड विनिंग फिल्म RRR के बराबर है। सुपरस्टार प्रभास के साथ फिल्म में श्रुति हासन भी प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म होम्बले फिल्म्स के बैनर तले निर्माण विजय किरागंदूर कर रहे हैं। इसका फिल्म का पोस्टर पिछले साल रिलीज किया जा चुका है। जानकारी के लिए बता दें, कुछ दिनों पहले प्रभास की फिल्म आदिपुरुष की रिलीज डेट का ऐलान किया गया है। ये मूवी 16 जून, 2023 को 3डी फॉर्मेट में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। आदिपुरुष में प्रभास भगवान राम के रोल में नजर आएंगे। सैफ अली खान रावण के किरदार में दिखेंगे। वहीं, सनी सिंह ने लक्ष्मण तो कृति सैनन ने सीता का रोल प्ले किया है। इस फिल्म के डायरेक्टर ओम राउत हैं, जो अजय देवगन की सुपरहिट तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर का निर्देशन कर चुके हैं।

10 अप्रैल को होगी परिणीति और राघव चड्ढा की सगाई?

अफवाह प्रेमी और राजनेता राघव चड्ढा के बारे में पूछे जाने पर परिणीति चोपड़ा के शर्मा ने वाले वीडियो उनके रिश्ते के बारे में बहुत कुछ कह सकते हैं। खबर है कि दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं! चर्चा यह भी है कि परिणीति और राघव की सगाई 10 अप्रैल को होगी! सार्वजनिक रूप से एक साथ देखे जाने के बाद राघव और परिणीति के रिलेशनशिप की अफवाहें उड़ीं। वे 22 मार्च को डिनर डेट पर निकले और अगले दिन लंच डेट के लिए फिर मिले। हालांकि दोनों ने इस बारे में चुप्पी साध रखी है, लेकिन विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि परिणीति और राघव जल्द ही अपना रोका करेंगे। राघव और परिणीति दोनों ने अपने रिश्ते की स्थिति के बारे में चुप्पी साध रखी है, इस तथ्य को छोड़कर कि दोनों ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में एक साथ अध्ययन किया है और उनके कई सामान्य मित्र हैं एंटरटेनमेंट बीट को कवर करने वाले पपराज़ी इनपुट्स के अनुसार, परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा 10 अप्रैल को दिल्ली में एक सगाई समारोह के साथ अपने रिश्ते को आधिकारिक बनाएंगे। इस बीच, अभिनेत्री को मुंबई हवाई अड्डे पर एक लाल स्वेटर, काली जेगिंग और काले रंग की जेगिंग में देखा गया था। घुटनों तक पहने जाने वाले जूते। जब पापियों ने उनसे पूछा कि क्या वह अपने विवाह समारोहों के लिए जा रही हैं, तो परिणीति ने जवाब दिया, लंदन जा राही हूं। बोर्डिंग पास दिखाउ? पपराज़ी से बात करने पर वह भी शरमा गई। परिणीति चोपड़ा को 22 मार्च को आप नेता राघव चड्ढा के साथ स्पॉट किया गया था। दोनों मुंबई के एक पॉश रेस्टोरेंट में अलग-अलग पहुंचे। दोनों सफेद रंग में जुड़ गए और परिणीति ने इसे चेकर्ड पैंट के साथ जोड़ा, राघव ने बेज लिनन पैंट का विकल्प चुना। उन्होंने पैप्स के लिए पोज भी दिए। वह सब कुछ नहीं हैं। लंच डेट के बाद बाहर जाते समय दोनों को एक बार फिर साथ देखा गया। दोनों भी एक ही गाड़ी से निकल गए। एक साथ उनकी उपस्थिति ने अफवाहें उड़ाई कि दोनों डेटिंग कर रहे हैं। राघव चड्ढा सबसे कम उम्र के सांसद हैं। दूसरी ओर, परिणीति चोपड़ा संदीप और पिंकी फरार और हाल ही में रिलीज़ हुई उंचई जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित कर रही हैं। परिणीति के पहले डायरेक्टर मनीष शर्मा को डेट करने की खबरें आ रही थीं। उन्हें अलग हुए अभी करीब एक साल ही हुआ है। अब देखना यह है कि परिणीति और राघव के बीच ये मुलाकात महज एक सामान्य तारीख थी।

प्रियंका के बाद विवेक ने बताया बॉलीवुड का सच

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में इंडस्ट्री में हो रही गंदी राजनीति और अपने बॉलीवुड छोड़ने की वजह का खुलासा करते हुए कहा था कि उन्हें एक कोने में धकेला जा रहा था। इसके बाद से इंडस्ट्री में मची सनसनी के बीच कई सेलेब्स ने अपना दर्द बयां किया। वहीं, अब विवेक ओबेरॉय भी प्रियंका के समर्थन में आए और उन्होंने अपने दर्द भी साझा किया। विवेक ने इंडस्ट्री के काले चिट्ठे खोलते हुए अपने बुरे दौर के बारे में बात की। वहीं, उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत की मौत पर भी प्रतिक्रिया दी। बिना नाम लिए विवेक ने सलमान खान के खिलाफ इशारा किया है। विवेक के साथ बॉलीवुड में राजनीति तब शुरू हुई, जब उन्होंने साल 2003 में सलमान खान के खिलाफ प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी और कहा था कि सलमान ने उन्हें धमकी दी थी, क्योंकि वह कथित तौर पर ऐश्वर्या राय को डेट कर रहे थे, जो इससे पहले सलमान के साथ रिलेशन में थीं। अब अपने बुरे दौर को याद करते हुए विवेक ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में कहा कि मुझे खुशी है कि मैं इससे बाहर आया। मैं एक तरह से अग्नि परीक्षा के माध्यम से इन सब चीजों से ऊपर आया और बच गया, लेकिन हर कोई इतना भाग्यशाली नहीं होता है।

विवेक ने प्रियंका के बयानों का समर्थन करते हुए कहा कि आखिरकार मैं बहुत सी चीजों से गुजरा, जो जरूरी नहीं थी। बहुत सारी लॉबी, बहुत सारी दमदार कहानियां, प्रियंका भी इसी तरफ इशारा कर रही हैं। दुर्भाग्य से यह हमारी इंडस्ट्री की पहचान रहा है। यह हमारी इंडस्ट्री के डार्क साइड में से एक रहा है और मैं इससे गुजरा हूं। मुझे पता है यह निराशाजनक है। यह किसी को भी बहुत थका हुआ और हारा हुआ महसूस कराता है। प्रियंका ने अपने लिए नई जगह खोजी। यह बहुत प्रेरणादायक है। वह बाहर गईं और कुछ अलग किया। एक तरह से वह गंदी पॉलिटिक्स से वह बाहर निकलीं। व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से उनके लिए कुछ मैजिकल हुआ।

विवेक ने खुलासा किया कि साल 2007 में हिट फिल्म शूटआउट एट लोखंडवाला में अवॉर्ड विनिंग परफॉर्मेंस देने के बाद भी उन्हें 14 महीने तक घर में ही बैठना पड़ा। उन्हें कोई काम नहीं मिला। अभिनेता ने कहा कि इंडस्ट्री बहुत असुरक्षित जगह है। मैंने खुद को संभाला और इन चीजों से निकलने की सोची और सफलता पाई। मैंने इसके खिलाफ आवाज उठाई।

उन्होंने सुशांत के बारे में बात करते हुए कहा कि सुशांत सिंह राजपूत को कभी भी अपनी जान नहीं गंवानी चाहिए थी। चाहे कुछ भी हो जाए। यह बहुत दुखद है। वह प्रतिभाशाली युवक थे और उनके पास दोस्तों का बेहतर नेटवर्क होना चाहिए था। आप इंडस्ट्री को परिवार कहते हैं तो परिवार को एक-दूसरे के लिए होना चाहिए।

> विवेक ने खुलासा किया कि साल 2007 में हिट फिल्म शूटआउट एट लोखंडवाला में अवॉर्ड विनिंग परफॉर्मेंस देने के बाद भी उन्हें 14 महीने तक घर में ही बैठना पड़ा। उन्हें कोई काम नहीं मिला। अभिनेता ने कहा कि इंडस्ट्री बहुत असुरक्षित जगह है। मैंने खुद को संभाला और इन चीजों से निकलने की सोची और सफलता पाई। मैंने इसके खिलाफ आवाज उठाई।

विशेषज्ञों की भागीदारी से औद्योगिक दौरा

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

रोजगार क्षमता में सुधार के लिए, संस्थान पाठ्यक्रम संवर्धन के एक भाग के रूप में फील्ड ट्रिप आयोजित करने के लिए उद्योग विशेषज्ञों के साथ सहयोग कर रहे हैं। संस्थान उद्यमिता और नवाचार के एक गठित सेल के माध्यम से विभिन्न उद्योगों को सहयोगात्मक पहल के लिए आवेदन कर सकते हैं। कई कॉर्पोरेट हालांकि प्रोटोकॉल के प्रतिबंधों के कारण संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन के माध्यम से गठबंधन का हिस्सा बनना स्वीकार नहीं करते हैं, विशेषज्ञ सहायता प्रदान करने और संस्थान को औद्योगिक यात्राओं की अनुमति देने के लिए खुले हैं।

कई उद्योग तैयार हैं और जागरूकता पैदा करने के लिए उनसे जुड़ने में रुचि लेने वाले संस्थानों का स्वागत करते हैं। हाल के घटनाक्रम उत्साहजनक हैं क्योंकि अधिक से अधिक उद्योग अब प्रतिभा

संवारने में निवेश करके अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक पहल के विस्तार के प्रस्ताव पा रहे हैं। ये दौरे नवोदित स्नातकों को कौशल सेट, कार्य संस्कृति नैतिकता और व्यक्तित्व आवश्यकताओं के बारे में जागरूक होने की अनुमति देते हैं जो उद्योग अपने भविष्य के कर्मचारियों से चाहता है। इस तरह के उद्योग अकादमिक गठजोड़ का लाभ पारस्परिक रूप से लाभकारी है क्योंकि यह स्नातकों को भविष्य की नौकरी की संभावनाओं पर एक स्पष्ट दिशानिर्देश प्रदान करके संतुष्टि की समग्र भावना में सुधार करता है। ऐसी कई औद्योगिक यात्राओं से इंटर्नशिप के अवसर पैदा होते हैं जो स्नातकों को बाद में उनके साथ रोजगार की तलाश में मदद करते हैं। नई शिक्षा नीति के साथ आने वाले समय में, संस्थान उद्योग के लिए तैयार कौशल पर अधिक ध्यान देने का विकल्प चुन रहे हैं और कार्यक्रम और शिक्षण संवर्धन के लिए बाहरी संपर्क को एक महत्वपूर्ण इनपुट के रूप में शामिल कर रहे हैं।

जर्मनी को आवश्यकता है नर्स, सोलर यूटिलिटी तकनीशियन से लेकर कसाई तक, जर्मनी के कौंसल जनरल ने राज्यपाल को बताया

जर्मनी में इस समय चार लाख श्रमिकों की सख्त जरूरत है

सीताराम मेवाती

जहाँ भारत में रोजगार मिलना कठिन है किन्तु इसके विपरीत यूरोपीय देश जर्मनी में कुशल श्रमिकों की कमी से जूझ रहा है. महाराष्ट्र के राज्यपाल से रमेश बैस से अपनी भेंट के दौरान यह जानकारी जर्मनी के मुंबई स्थित कौंसल जनरल अचिम फैबिग ने कही. कौंसल जनरल ने बताया की जर्मनी इस समय भारी उम्रदराज आबादी से परेशान है और में वर्तमान में लगभग 400,000 कुशल श्रमिकों की भारी कमी का सामना कर रहा है. जर्मनी इस समय अपने देश की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत से अपेक्षा कर रहा है ताकि श्रमिकों की समस्या का निदान हो सके. जर्मनी के मुंबई स्थित कौंसल जनरल अचिम फैबिग ने महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस से सोमवार, 3 अप्रैल को मुंबई के राज भवन में शिष्टाचार भेंट की. राज्यपाल और कौंसल जनरल के इस भेंट के दौरान अनेक बिन्दुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई. यह जानकारी राजभवन की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार दी गई.

कौंसल जनरल अचिम फैबिग ने कहा कि उनके देश में कुशल रोजगार के अंतर्गत काफी मात्रा में नौकरियां

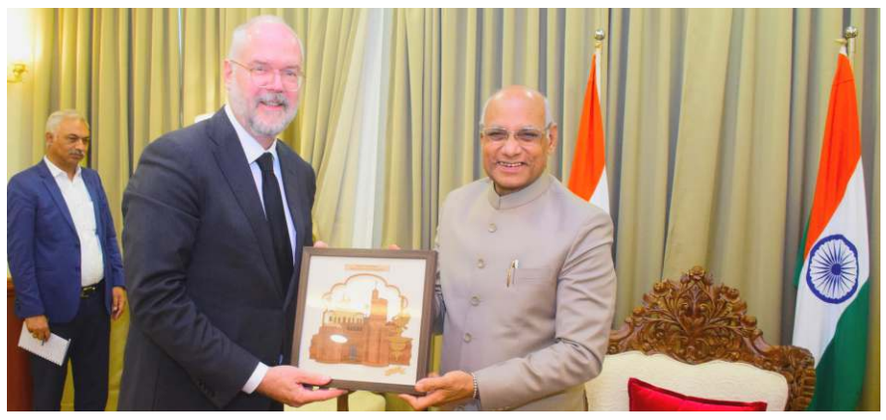

उपलब्ध हैं. इन नौकरियों में नर्स, इलेक्ट्रीशियन, सोलर यूटिलिटी तकनीशियन और यहां तक कि कसाई जैसे कुशल श्रमिकों की अत्यंत आवश्यकता है. कौंसल जनरल फैबिग ने राज्यपाल से वार्तालाप में बताया कि जर्मनी ने भारत में काफी निवेश किया हुआ है. यहाँ महत्वपूर्ण बात यह है की इसका का एक तिहाई निवेश अकेले महाराष्ट्र में है. फैबिग ने बताया कि इस समय भारत में जर्मनी की 800 कंपनियां कार्यरत हैं जिनमे 300 कंपनियां महाराष्ट्र में काम कर रही हैं. फैबिग ने कहा कि मुंबई में जर्मनी के राजनयिक प्रतिनिधि के रूप में उनका ध्यान भारत में उपलब्ध युवा कार्य बल पर केन्द्रित है. हम अपने माध्यम से कुशल श्रमिकों को जर्मनी में भेजने का प्रयास करते रहेंगे. इस स्थिति में भारत से श्रमिक जन शक्ति द्वारा जर्मनी की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ एक खाई पाटने का काम करेगा. इस प्रकार दोनों देशों के लिए फायदेमंद व जीत की स्थिति हो सकती है। इस समय जर्मनी में करीब 35,000 भारतीय छात्र उच्च शिक्षा हासिल कर रहे हैं और काफी संख्या में तकनीकी विशेषज्ञ वहां आईटी पेशेवरों के रूप में भी काम कर रहे हैं।

कौंसल जनरल ने विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि मुंबई में जर्मन वाणिज्य दूतावास का वीज़ा खंड "दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा" है जो काफी विशिष्ट है. हमें भरोसा है की हम जल्द ही दो कदम और चढ़कर दुनिया का सबसे बड़ा केंद्र बन जायेंगे. उन्होंने कहा कि जर्मनी के भारत के साथ भले ही लम्बे समय से संबंध हैं लेकिन अब दोनों देशों के लोगों को आधुनिक संदर्भ में एक-दूसरे को समझने की जरूरत है। जर्मनी एक अत्यधिक विकसित अर्थव्यवस्था का देश है और यहाँ की आबादी लगभग 8.25-करोड़ है, जो की महाराष्ट्र के 12 करोड़ लोगों का लगभग दो-तिहाई हिस्से के लगभग है. भारत की औसतन आयु 28 वर्ष की तुलना में 48 वर्ष की औसत आयु के साथ यह दुनिया की तीसरी सबसे पुरानी आबादी है.

कौंसल जनरल ने राज्यपाल बैस को बताया की भारत में फुट बॉल प्रेमियों की बड़ी संख्या है और उनके लिए एक खुश खबर है. जर्मन फुटबॉल क्लब, "बायर्न म्यूनिख" भविष्य में भारत आने का इच्छुक है और यह क्लब भारत में फुटबॉल प्रशिक्षण शिविर और टूर्नामेंट आयोजित करने के में उत्सुक है. यह क्लब विशेष रूप से मुफस्सिल क्षेत्रों में जहाँ पर खेल की सुविधाएं कम है, वहां पर इसको बढ़ावा देना है ताकि दूर दराज के लोग भी अपनी प्रतिभा दिखा सकें.

राज्यपाल रमेश बैस ने जर्मनी के कौंसल जनरल फैबिग का राज भवन में आगमन पर बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया. राज्यपाल ने कौंसल जनरल को बताया कि महाराष्ट्र राज्य में हाल ही में नवी मुंबई में एक नए कौशल विकास विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है जो की अंतरराष्ट्रीय मापदंड पर आधारित है . इस विश्वविद्यालय का मकसद विभिन्न व्यवसायों के लिए कुशल जनशक्ति का एक बड़ा जत्था तैयार करने के लिए किया गया है. यह कौशल विकास विश्वविद्यालय केवल भारत के लिए ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रतिभाओं का विकास करेगा।

कांग्रेस के पूर्व मंत्री असलम शेख के फिल्म स्टूडियो पर चला मनपा का बुलडोजर

स्टूडियो की लपेट में आये आधा दर्जन अवैध निर्माण धवस्त

मुंबई।

भाजपा नेता किरीट सोमैया ने आरोप लगाया था कि मुंबई के मालाड के मढ मार्वे इलाके में कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री असलम शेख ने समुद्र किनारे अवैध फिल्म स्टूडियो बनाया है। इस स्टूडियो से हर महीने वे दो करोड़ का किराया वसूल रहे हैं। कोस्टल रेगुलेशन जोन के नियमों को ताक पर रख कर उद्धव ठाकरे सरकार के संरक्षण में यह स्टूडियो बनने दिया गया और पर्यावरण मंत्री के तौर पर आदित्य ठाकरे ने इस अवैध स्टूडियो के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। अब मनपा ने यूपी के बुलडोजर मॉडल को मुंबई में उतार दिया है। शुक्रवार को मनपा ने ना सिर्फ असलम शेख के अवैध फिल्म स्टूडियो को तोड़ने के लिए बुलडोजर चलवाए बल्कि ऐसी एक दर्जन अवैध इमारतों पर महानगरपालिका का हथौड़ा चला है। मनपा ने यह कार्रवाई नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) के आदेश के बाद की है। इस तोड़क कार्रवाई के दौरान भाजपा नेता किरीट सोमैया घटनास्थल पर मौजूद थे।

कांग्रेस नेता असलम शेख के फिल्म स्टूडियो पर चले बुलडोजर

किरीट सोमैया ने कहा कि 2019 से पहले यहां समतल मैदान था। कोविड काल का फायदा उठाते हुए यहां अवैध फिल्म स्टूडियो को खड़ा किया गया था। पांच स्टूडियों को अस्थायी निर्माण के लिए इजाजत दी गई थी। इसका फायदा उठाते हुए स्थायी रूप से फिल्म स्टूडियो बना लिया गया और बड़े पैमाने पर समुद्र किनारे लोहा, कंक्रीट और सीमेंट का इस्तेमाल करके पर्यावरण के नियमों की धज्जियां उड़ाई गई। किरीट सोमैया ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी शिकायत पर मनपा ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद सोमैया ने हाईकोर्ट का रुख किया था। जब हाईकोर्ट ने मनपा से कार्रवाई ना करने का कारण पूछा तो आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने जवाब दिया कि उन्होंने कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री से परमिशन मांगी है।

NGT के आदेश से हुई अवैध फिल्म स्टूडियो को तोड़ने की कार्रवाई

इसके बाद भी कार्रवाई नहीं हो रही थी तो मामला नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूलन के पास गया। ग्रीन ट्रिब्यूलन ने शुक्रवार को इन अवैध निर्माण को तोड़ने का आदेश दिया जिसका पालन करते हुए आज मनपा द्वारा इन अवैध फिल्म स्टूडियोज के खिलाफ तोड़क कार्रवाई को अंजाम दिया गया। ग्रीन ट्रिब्यूनल की स्थापना पर्यावरण के संरक्षण के लिए 2010 में की गई थी।

मुंबई में हुई यात्रा सस्ती, सवारियों को बढ़ावा देने के लिए बेस्ट ने घटाया बस का किराया : बढ़ते हुए पारे से यात्रिओं को मिलेगी एसी बस में राहत

सीताराम मेवाती

मुंबई में जो सवारियां बेस्ट बस से सफ़र करती हैं उनके लिए है खुश खबर. बेस्ट प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए किराये में भारी कमी की है. ये सुविधा उन सवारियों के लिए हैं, जो सीजन पास या चलो ऐप और चलो कार्ड बुकिंग का इस्तेमाल करते हैं. बेस्ट की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अंडरटेकिंग ने सुपर सेवर प्लान को 6 रुपये के फेयर स्लैब प्लान में "सस्ता" बनाया है, जबकि अन्य सभी फेयर स्लैब को "सरलता के लिए" मिला दिया गया है. बेस्ट प्रशासन की इस घोषणा से यात्रियों को राहत अवश्य मिलेगी.

इस नई योजना के तहत एसी और नॉन-एसी दोनों तरह की बसों में मुसाफिरों को सफर की इजाजत होगी. ये किफायती और तेज सफर के लिए भी ठीक है. नए प्लान के अंतर्गत सुपर सेवर प्लान, अनलिमिटेड राइड पास, स्टूडेंट पास और सीनियर सिटीजन पास वाले

मुसाफिरों को भी फायदा मिलेगा. ज्ञात हो की मुंबई में रोजाना लाखों लोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं. ऐसे में बेस्ट द्वारा जारी की गई किराये में कटौती से यात्रियों को सुखद अनुभूति का अहसास हुआ है और इसकी अहमियत और बढ़ गई है.

नयी जारी की गई किराया सारणी में अब एसी बस की असीमित सवारी का किराया 60 रुपये से घटाकर 50 रुपये प्रतिदिन कर दिया गया है. छात्रों के 60 ट्रिप पास करने का खर्च अब 250 रुपये से घटाकर 200 रुपये कर दिया गया है. इस योजना के अंतर्गत दैनिक यात्री और कभी कभार यात्रा करने वाले यात्री इनको दो भागों में विभाजित किया गया है. अब किराए को 6, 13, 19 और 25 रुपए के हिसाब से अलग-अलग किया गया है. यात्राओं की संख्या के आधार पर इन पासों की अवधि 1 दिन से लेकर 84 दिनों तक निर्धारित की गई है.

जो यात्री एसी बस से यात्रा करते हैं उन्हें भी काफी किफायती यात्रा का आनंद मिलने वाला है. एसी बस का किराया 60 रुपये प्रति दिन से घटाकर 50 रुपये कर दिया गया है. इसके अलावा 30 दिनों के लिए यह शुल्क मौजूदा 1,250 रुपये से घटा कर 750 रुपये किया गया है. विद्यार्थियों के लिया जो 60 ट्रिप का जो पास जिसका मूल्य 250 रुपए है उसे घटा कर अब 200 रुपए का कर दिया गया है. ज्ञात हो की अभी हाल में किये गए एक सर्वे में मुंबई के पब्लिक ट्रांसपोर्ट को दुनिया के बड़े शहरों के मुकाबले बहुत ही सस्ता पाया गया है. बेस्ट बस की सेवा मुंबई और उप नगर के अलावा पड़ोसी ठाणे, नवीं मुंबई और मीरा-भायंदर शहरों के लिए बस सेवा प्रदान करता है। बेस्ट के बेड़े में इस समय लगभग 3300 से अधिक एसी और गैर-एसी बसें सम्मिलित हैं और इनमें प्रतिदिन 30 लाख से अधिक यात्री यात्रा करते हैं. बेस्ट प्रशासन प्रयत्नशील है की अधिक से अधिक लोग बेस्ट का चलो ऐप या बेस्ट कार्ड का प्रयोग करें.

प्रभादेवी में स्टोव में आग लगने से 2 लोग झुलस गए

इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया

मुंबई । प्रभादेवी स्थित सिद्धि प्रभा सोसायटी के पास एक घर में मिट्टी का तेल स्टोव में आग लगने से दो लोग जख्मी हो गए जिन्हे इलाज के लिए अस्पताल भर्ती कराया गया। दमकल विभाग ने जानकारी दी कि गुरुवार की शाम लगभग 6 बजे एक घर में आग लग गई।आग की यह घटना घर में मिट्टी के तेल के स्टोव पर खाना बनाने के दौरान तेल जमीन पर गिरने से आग लग गई ।जिसकी चपेट में घर की पूजा चौरसिया 28 और दिलीप चौरसिया 45 साल जख्मी हो गए।दोनो ही घायलों को इलाज के लिए के ई एम अस्पताल ले जाया गया जहां पर दोनो ही घायलों का ईलाज चल रहा है। के ई एम अस्पताल (K E M Hospital) के डाक्टरों ने दोनो ही घायलों की स्थिति स्टेबल होने की जानकारी दी।

बिहार के बाद तमिलनाडु पुलिस ने किया यूट्यूबर पर कार्रवाई

बिहार के यूट्यब्बर मनीष कश्यप पर कानूनी शिकंजा कसते जा रहा है। अब तमिलनाडु की पुलिस ने यूट्यब्बर पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के तहत कार्रवाई की है। उधर, उन्हें मदुरै कोर्ट ने 19 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यूट्यब्बर ने मामले में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट से उन्होंने सभी एफआईआर को एक जगह क्लब करने की मांग की है। प्रवासी मजदूरों पर हमले की फर्जी वीडियो बनाने का आरोपमनीष मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। उन पर बिहार के प्रवासी मजदूरों पर तमिलनाडु में हमले का फर्जी वीडियो बनाने और उसे शेयर करने का आरोप लगाया है। इस मामले में बिहार के साथ-साथ तमिलनाडु पुलिस ने भी मनीष पर एफआईआर दर्ज की है। 18 मार्च को पुलिस के सामने सरेंडर करने के बाद यूट्यब्बर को बिहार पुलिस ने कस्टडी में लेकर पूछताछ की थी। इसके बाद तमिलनाडु पुलिस की टीम कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट लेकर मनीष को पटना से तमिलनाडु लेकर गई थी। यहां मदुरै कोर्ट में पेशी के बाद पुलिस को तीन दिन की रिमांड मिली थी। इस दौरान पुलिस ने उनसे पूछताछ की थी। बाद में कोर्ट ने 19 अप्रैल तक यूट्यब्बर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। कई मामलों में चल रही है कार्रवाईयूट्यब्बर

पर एक के बाद एक कई तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। बिहार पुलिस और आर्थिक अपराध इकाई थाने में मनीष के खिलाफ कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा मनीष के बैंक अकाउंट्स भी फ्रीज कर दिए गए हैं। यूट्यब्बर मनीष कश्यप की याचिका पर 10 को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्टयूट्यब्बर मनीष कश्यप की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 10 अप्रैल को सुनवाई करेगा। कश्यप को तमिलनाडु पुलिस ने बिहार के श्रमिकों पर हमले का फर्जी वीडियो प्रसारित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पर्दीवाला की पीठ ने कश्यप के वकील से पूछा कि वह क्या राहत चाहते हैं।

बीजेपी और जेडीएस के बागियों ने थामा कांग्रेस का हाथ

कर्नाटक में होने वाले विधानसभा के चुनावों को अब एक महीने का वक्त बचा है। सियासी गुणा गणित में भाजपा, कांग्रेस और जेडीएस पहले से ही लगी हुई हैं। कौन नेता किस पार्टी को ज्वॉइन करने वाला है, इस पर भी सभी सियासी दलों की निगाह बनी हुईं हैं। फिलहाल कांग्रेस ने कर्नाटक के सियासी समर में भाजपा की एक भी लिस्ट जारी न होने से पहले अब तक प्रत्याशियों की दो लिस्ट जारी कर दी हैं। गुरुवार को जारी हुई कांग्रेस की 42 उम्मीदवारों की लिस्ट से कर्नाटक के सियासी गलियारों में एक बार यह चर्चा फिर से शुरू हुई है कि क्या कांग्रेस भी भाजपा की तरह बागी उम्मीदवारों को अपना प्रत्याशी बनाकर सियासी दांव चल रही है। क्योंकि गुरुवार को जारी हुई लिस्ट में भाजपा और जेडीएस के बागी नेताओं को भी कांग्रेस ने टिकट देकर अपने इरादे साफ कर दिए हैं।कांग्रेस निकली भाजपा से आगेगुरुवार को जारी हुई कांग्रेस की 42 उम्मीदवारों की लिस्ट में तीन भाजपा और एक जेडीएस के बागी नेता के अलावा पिछले चुनाव में निर्दलीय तौर पर लड़े एक नेता को कांग्रेस ने अपने दल में शामिल करते हुए उनको सियासी अखाड़े में उतारा है। राजनीतिक विश्लेषक और वरिष्ठ पत्रकार सुदर्शन कहते हैं कि कर्नाटक में इस बार की सियासत थोड़ी अलग तरीके की देखने को मिल रही है। उनका कहना है कि जिस तरीके से पिछले चुनाव में कांग्रेस और जेडीएस ने मिलकर सरकार तो बना ली थी, लेकिन सियासी उथल-पुथल में वह सरकार नहीं चला पाए थे। इस बार कांग्रेस पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने के लिए अपनी सभी सियासी गोटियां सेट कर रही है। वह कहते हैं कि कांग्रेस ने हमेशा की तरह एक बार फिर सबसे पहले अपने प्रत्याशियों की घोषणा की है। कांग्रेस ने इस बार उन बागी नेताओं पर भी दांव लगाकर एक संदेश जरूर देने की कोशिश की है कि जिताऊ कैंडिडेट इस बार कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण है।सुदर्शन कहते हैं कि भाजपा से कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व विधायक जीके मोलकालमुरू और जेडीए छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए विधायक श्रीनिवास पहले भी अपनी सीटों के साथ आसपास की सीटों पर विशेष प्रभाव रखते थे। कांग्रेस पार्टी से जुड़े हुए कर्नाटक के नेता एस एनचंद्रन कहते हैं कि उनकी पार्टी में अब तक जितने प्रत्याशी मैदान में उम्मीदवार के तौर पर घोषित किए हैं वह सभी जिताऊ प्रत्याशी हैं। उनका कहना है कि उनकी पार्टी ने प्रत्याशियों की सीटें बदली हैं और कुछ पुराने प्रत्याशियों को भी टिकट नहीं दिया है।

डब्ल्यूएचओ ने कोरोना पर दिया सतर्क रहने की चेतावनी

विश्व स्वास्थ्य दिवस की पूर्व संध्या पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने गुरुवार को कोविड-19 महामारी से उत्पन्न अंतराल को पाटने और विश्वव्यापी स्वास्थ्य कवरेज के माध्यम से सभी के लिए स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त करने के लिए ठोस और तत्काल प्रयासों का आह्वान किया। गौरतलब है कि हर साल सात अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है।दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए डब्ल्यूएचओ की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य निकाय विश्वव्यापी स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के माध्यम से सभी के लिए स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त करने और वित्तीय कठिनाई के बिना सभी के लिए आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच की सुविधा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। विश्व स्वास्थ्य दिवस (7 अप्रैल) के अवसर

पर विश्व स्वास्थ्य संगठन विश्व स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है।खेत्रपाल सिंह ने कहा कि दशकों से और 1978 में अल्मा-अता (Alma-Ata) की घोषणा से पहले भी, पूरे क्षेत्र के नेताओं और नीति निर्माताओं ने उस महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया है जो सभी के लिए गुणवत्ता, सस्ती और व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल (पीएचसी) यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज (यूएचसी) हासिल करने में भूमिका निभा सकती है और इस तरह सभी को स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त हो सकती है।सिंह ने कहा कि विश्वव्यापी स्वास्थ्य कवरेज हासिल करने के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के नए सिरे से और दशक भर के प्रयास में अच्छी तरह से प्रतिबिंबित हुआ है। यह 2014 से क्षेत्र की आठ प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक रहा है। डब्ल्यूएचओ की अधिकारी ने कहा कि 2010 और 2019 के बीच, इस क्षेत्र ने अपने यूएचसी सेवा कवरेज सूचकांक को 47 से बढ़ाकर 61 कर दिया, जबकि 2000 और 2017 के बीच इस क्षेत्र ने स्वास्थ्य पर अपनी जेब से खर्च करने वाले गरीब परिवारों की संख्या को 30 से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल,
उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।